▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 134 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 08-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बाबर के नाम पर बनी हर मस्जिद का विरोध होगा : उपमुख्यमंत्री मौर्य

6 बंगाल की मुस्लिम राजनीति पर हुमायूं कबीर का प्रहार

7 शेखर कपूर ने सुनाया 'गुरु की खोज' का किस्सा

फर्स्ट टेक

बेनिन में घोषित तख्तापलट को विफल कर दिया गया है : गृह मंत्री

कॉन्टोनू (बेनिन)/एपी। बेनिन में रविवार को घोषित तख्तापलट को ''विफल'' कर दिया गया है। गृह मंत्री ने फेसबुक पर एक वीडियो में यह जानकारी दी। गृह मंत्री अलास्साने सेइदोउ ने कहा, ''रविवार, सात दिसंबर, 2025 की सुबह, सैनिकों के एक छोटे समूह ने देश और उसकी संस्थाओं को अस्थिर करने के उद्देश्य से विद्रोह शुरू कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''इस स्थिति का सामना करते हुए, बेनिनी सशस्त्र बल और उनका नेतृत्व गणतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध रहे।'' इससे पहले बेनिन में सैनिकों के एक समूह ने सरकारी टीवी पर संबोधन के जरिये सरकार के तख्तापलट की घोषणा की थी। खुद को 'मिलिट्री कमेटी फॉर रीफाउंडेशन' कहने वाले सैनिकों के समूह ने राष्ट्रपति और सभी सरकारी संस्थाओं को हटाये जाने की घोषणा की।

इजराइल और भारत के बीच सहयोग के 'अनंत अवसर': इजराइल

यरुशलम/भाषा। इजराइली अधिकारी ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना को ''बेहतरीन'' करार दिया और कहा कि इजराइल और भारत के बीच संबंध ''बेहद मजबूत'' हैं तथा दोनों देशों के बीच सहयोग के ''अनंत अवसर'' मौजूद हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''इजराइल और भारत के बीच संबंध बहुत मजबूत है और ये और भी मजबूत होते जा रहे हैं, नागरिक के साथ ही सैन्य और रक्षा सहयोग के संदर्भ में भी।'' विदेश मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के पास साथ मिलकर काम करने के 'अनंत अवसर' हैं।

पाकिस्तानः सुरक्षा बलों ने जाफर एक्सप्रेस पर हमले को नाकाम किया

कराची/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन पर हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया। मीडिया में रविवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। समाचारपत्र 'डॉन' की खबर के अनुसार, पेशावर जाने वाली ट्रेन की पटरी पर शनिवार को प्रांत के नसीराबाद इलाके में अज्ञात चरमपंथियों ने विस्फोटक लगा दिया था। पुलिस के एक अधिकारी के हवाले से खबर में बताया गया कि विस्फोटक लगाए जाने के बारे में सूचना मिलने के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इलाके की घेराबंदी कर उसे निष्क्रिय कर दिया।

08-12-2025 सूर्यास्त 5:42 बजे	09-12-2025 सूर्योदय 6:19 बजे

BSE	NSE
85,712.37 (+447.05)	26,186.45 (+152.70)

सोना	चांदी
13,373 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	196,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत की पहचान

रावण, दुर्योधन या बाबर,
तैमूर और चंगेज नाम,
इनके इतिहास पढ़ो पहले,
जानो इनके क्या रहे काम।
महिमा मंडन इन पात्रों का,
सच में तो है बिल्कुल हराम।
अपमानित हम होते इनसे,
भारत की है पहचान राम।

'भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत आध्यात्म और ध्यान में निहित है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को आध्यात्म, ध्यान और अंत: जागरण में निहित भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत पर जोर दिया और संतों, ऋषियों और मुनियों के गहन योगदान को याद किया जिनकी तपस्या व ध्यान साधना ने भारत के शाश्वत ज्ञान को आकार दिया है।

राधाकृष्णन ने ये बातें गुरुग्राम में ब्रह्माकुमारी के 'ओम शांति रिट्रीट सेंटर' (ओएसआरसी) के रजत जयंती वर्ष समारोह की शुरुआत करते हुए कही।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने इस केंद्र के समारोह में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की जिसकी स्थापना 24 वर्ष पहले ब्रह्माकुमारी के आध्यात्मिक दृष्टिकोण से हुई थी और अब यह अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने केंद्र के शांति और ध्यान के संदेश की ओर आकर्षित होने वाले वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, प्रशासकों, राजनेताओं जैसे पेशेवरों की विविधता की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजयोग और विपश्यना जैसी परंपराएं इस बात के महत्व को इंगित करती है कि सच्ची शक्ति और स्पष्टता भीतर से ही उभरती है।

राधाकृष्णन ने इस आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने और भारत तथा विदेशों में लाखों लोगों को मन की शांति और पवित्रता की ओर मार्गदर्शन करने के लिए ब्रह्माकुमारी की सराहना की। उन्होंने ब्रह्माकुमारी को दुनिया के सबसे बड़े महिला-नेतृत्व वाले आध्यात्मिक संगठन के रूप में उभरने के लिए बधाई दी।

उपराष्ट्रपति ने आध्यात्म, ध्यान और अंत: जागरण में निहित भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अमृत काल में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक विकसित भारत-2047 की कल्पना की है, जहां आर्थिक विकास, आंतरिक स्थिरता, प्रसन्नता और शांति एक-दूसरे के पूरक हों।

रोजगारपरक शिक्षा को जनांदोलन का रूप देने की आवश्यकता : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मध्यप्रदेश को वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक शिक्षा का 'सदियों पुराना केंद्र' करार देते हुए रविवार को कहा कि अब समय है कि भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली को कृत्रिम मेधा (एआई) से जोड़कर विश्व के सामने पेश किया जाए ताकि यहां की समृद्ध संस्कृति और ज्ञान-विज्ञान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिले।

प्रधान मध्यप्रदेश में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 क्रियान्वयन, चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी कार्यशाला को संबोधित किया।

केंद्रीय मंत्री ने मैकाले द्वारा स्थापित शिक्षा व्यवस्था में भारतीयता को स्थापित करने को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य बताया और रोजगारपरक व नवाचार उन्मुख शिक्षा को जनांदोलन का रूप देने की आवश्यकता पर बल दिया।

शिक्षा को प्राथमिकता का विषय बनाने के लिए राज्य शासन का आभार जताते हुए उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश ने संस्कृति, धर्म और ज्ञान परंपरा की निरंतरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वैज्ञानिकता, दार्शनिक स्पष्टता और अध्यात्मिकता का पुट भारतीय शिक्षा व्यवस्था का आधार रहा है।

धीरे-धीरे हम सामान्य स्थिति की ओर लौट रहे हैं : इंडिगो सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने रविवार को कहा कि एयरलाइन रविवार को लगभग 1,650 उड़ानें संचालित करेगी और धीरे-धीरे हम सामान्य स्थिति की ओर लौट रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों उड़ानें रद्द और विलंबित होने से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी हुई है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन ने शनिवार को लगभग 1,500 और शुक्रवार को 700 से कुछ अधिक उड़ानें ही संचालित की थीं। कर्मचारियों के लिए जारी आंतरिक वीडियो संदेश में एल्बर्स ने कहा कि रविवार को समय पर प्रदर्शन (ओटीपी) 75 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, आज हमने प्रणाली में और सुधार किए हैं, जिससे हम करीब 1,650 उड़ानें संचालित कर पा रहे हैं। यह वीडियो संदेश एयरलाइन के परिचालन नियंत्रण केंद्र से जारी किया गया। सीईओ ने कहा, हम अब उड़ाने पहले चरण में ही रद्द कर रहे हैं, ताकि जिन यात्रियों की उड़ानें रद्द हो रही हैं, वे हवाई अड्डे पर न पहुंचें। इंडिगो के अनुसार सात दिसंबर को उसके 138 में से 137 गंतव्यों पर परिचालन बहाल है।

रोशनी

बेलगावी में सोमवार से कर्नाटक विधानमंडल का 10 दिवसीय शीतकालीन सत्र आरंभ होने जा रहा है। रविवार को शाम में बेलगावी स्थित सुवर्ण विधानसौधा में आकर्षक लाइटिंग की गई। रंगबिरगी रोशनी से नहाई सुवर्ण विधानसौधा का एक दृश्य।

कांग्रेस, उसके सहयोगियों को लोगों ने नकार दिया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के हर कोने में जनता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को खारिज कर दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के आगामी चुनावों में जनता के समर्थन से बड़ी जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा की कि 2029 विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों और 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की भी मेजबानी करेगा।

शाह ने 1,500 करोड़ रुपए की लागत वाले तीन खेल परिसर सहित विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अहमदाबाद नगर निगम के एक कार्यक्रम को संबोधित किया।

शाह ने कहा कि भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों ने बिहार में हाल के विधानसभा चुनावों में दो तिहाई बहुमत हासिल करके अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा तथा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी बड़ी जीत दर्ज करेंगे, जहां अगले साल चुनाव होने हैं।

शाह ने कहा, 2014 के लोकसभा चुनाव से लेकर 2025 तक...यह भाजपा के लिए लगातार जीत का समय रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में हमारे नेता नरेन्द्र भाई लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और कई दशकों के बाद एक रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और अंत में बिहार में कांग्रेस का सफाया हो गया। उन्होंने मतदाता सूची और ईवीएम को लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों पर निशाना साधा। शाह ने कहा कि भाजपा और राजग के सहयोगियों ने बिहार में दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाई, लेकिन राहुल गांधी ईवीएम और मतदाता सूची में खामियां ढूंढ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''सच्चाई यह है कि देश की जनता कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों को स्वीकार नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, आज इस मंच से मैं ममता बनर्जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) और स्टालिन (तमिलनाडु के मुख्यमंत्री) से कहना चाहता हूं कि तैयार रहें। बिहार के बाद, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में राजग की बारी है।

गोवा के नाइटक्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत, प्रत्यक्षदर्शियों का दावा-अंदर पटाखे फोड़े गए थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। उत्तर गोवा का लोगों से खचाखच भरा एक नाइटक्लब रविवार आधी रात के बाद आग की भीषण लपटों में घिर गया, जिससे 25 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। इस हादसे ने क्लब में कथित अवैध गतिविधियों और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस ने पहले कहा था कि ऐसा प्रतीत होता है कि संभवत: सिलेंडर विस्फोट के कारण आग लगी, लेकिन इस त्रासदी में बचे एक पर्यटक ने दावा किया कि नृत्य प्रस्तुति के दौरान आतिशबाजी की गई और वही आग लगने की असली वजह हो सकती है।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि लोग पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के भूतल पर फंस गए थे, जिसके कारण अधिकतर लोगों की मौत दम घुटने से हुई।

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संकल्प जताया, जिन्होंने सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के बावजूद क्लब के संचालन की अनुमति दी। एक ग्राम अधिकारी ने दावा किया कि निर्माण अनधिकृत था और मालिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस के मुताबिक, मृतकों में चार पर्यटक और 14 कर्मचारी शामिल हैं, जबकि बाकी सात की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

कांग्रेस के एक नेता ने आरोप लगाया कि इस प्रतिष्ठान के पास अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) या शराब बेचने की अनुमति भी नहीं थी।

नाइट क्लब के मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।'' उन्होंने बताया कि क्लब प्रबंधक और कार्यक्रम आयोजकों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अधिकारी के अनुसार, पुलिस ने अरपोरा-नागोवा पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर को हिरासत में लिया है, जिन्होंने 2013 में परिसर के लिए व्यापार लाइसेंस जारी किया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने इस घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''गोवा के अरपोरा में हुए हादसे में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को पचास-पचास हजार रुपए दिए जाएंगे।''

कांग्रेस ने गहन जांच और कड़ी जवाबदेही तय की मांग की

कांग्रेस ने गोवा के एक नाइटक्लब में लगी आग की घटना की गहन जांच और जवाबदेही तय करने की रविवार को मांग की। राहुल गांधी ने इस घटना को शासन की आपराधिक विफलता बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आग की इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

तीन वरिष्ठ सरकारी अधिकारी निलंबित

गोवा सरकार की तत्कालीन पंचायत निदेशक समेत तीन वरिष्ठ अधिकारियों को नाइट क्लब में आग लगने की घटना के सिलसिले में रविवार को निलंबित कर दिया गया। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि तत्कालीन पंचायत निदेशक को क्लब को 2023 में परिचालन शुरू करने की अनुमति देने में उनकी भूमिका के लिए निलंबित किया गया।

अमूर्त विरासत कई मायनों में संस्कृति की सबसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति है : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि परंपराएं, भाषाएं, संगीत, शिल्प कौशल और अमूर्त विरासत के अन्य रूप कई मायनों में ''संस्कृति की सबसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति'' हैं, जो सभी की साझा संपत्ति होती हैं और कई लोग इसका संरक्षण करते हैं।

यहां लाल किला परिसर में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण पर यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण बैठक के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन के दौरान जयशंकर ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से कहा कि शांति और समृद्धि की ''साझा खोज'' में विरासत को पोषित करना और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अंतर-सरकारी समिति (आईसीएच) का 20वां सत्र आठ से 13 दिसंबर तक लाल किले में आयोजित होगा। यह पहली बार है कि भारत यूनेस्को पैनल के किसी सत्र की मेजबानी कर रहा है।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के महानिदेशक खालिद अल-एनानी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि विशाल वी. शर्मा उपस्थित थे।

मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा निर्मित लाल किला यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एएसआई द्वारा संरक्षित एक स्मारक है।

राजनाथ सिंह ने 125 बीआरओ परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं

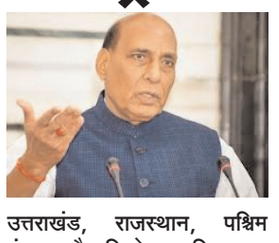

लेह/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लेह से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की हाल में पूर्ण हुई 125 परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया और इन्हें भारत के सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का एक ''प्रभावी उदाहरण'' बताया।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं का निर्माण 5,000 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और ये परियोजनाएं लद्दाख और जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेशों तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम सहित सात राज्यों में फैली हुई हैं। इनमें 28 सड़कें, 93 पुल और चार अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

यह आयोजन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के इतिहास में एक ही दिन में किए गए सबसे बड़े और सर्वाधिक मूल्य वाले उद्घाटन का प्रतीक बना। लद्दाख के उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने लेह पहुंचने पर रक्षा मंत्री का स्वागत किया और उद्घाटन समारोह में उनके साथ शामिल हुए।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, ''हमारे सैनिकों का शौर्य और पराक्रम अपने आप में हमारे लिए प्रेरणा है। ये बुनियादी ढांचा परियोजनाएं उन वीरों को राष्ट्र की श्रद्धांजलि हैं, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी।'' उन्होंने कहा कि सीमावर्ती सड़कें राष्ट्रीय सुरक्षा की जीवन रेखा हैं और बेहतर संपर्क का परिचालन तत्परता पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

बालाघाट में 10 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालाघाट (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के समक्ष बालाघाट जिले में रविवार को 10 इनामी नक्सलियों ने समर्पण कर दिया, जिसके बाद उन्होंने सभी नक्सलियों को संविधान की प्रति देते हुए शांतिपूर्ण जीवन जीने की अपील की।

बालाघाट पुलिस लाइन परिसर में आयोजित 'पुनर्वास से पुर्नजीवन' कार्यक्रम में आत्समर्पण करने वाले ये नक्सली भोरमदेव जंगल क्षेत्र में सक्रिय थे और इनपर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2 करोड़ 36 लाख का इनाम रखा गया था।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने नक्सलियों से सरकार की पुनर्वास योजना के तहत मुख्यधारा से जुड़ने की अपील की और कहा कि जो कानून की राह अपनाते हैं, उनके पुनर्वास की चिंता सरकार करेगी। उन्होंने कहा, सरकार की पुनर्वास योजना केवल एक घोषणा नहीं, बल्कि प्रदेश सरकार की गारंटी है। जो भी व्यक्ति हिंसा छोड़कर आत्मसमर्पण करेगा, उसे सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और पुनर्वास का पूरा अवसर दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य हर उस व्यक्ति को सुरक्षित भविष्य देना है जो विकास और शांति की राह पर चलना चाहता है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने मुख्यमंत्री को अपने हथियार सौंपे। इनमें चार महिला नक्सली भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सरकार मध्यप्रदेश को नक्सल मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, लाल सलाम को अब आखिरी सलाम देने का समय आ गया है। इस अभियान को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन प्रदेश की सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस के अदम्य साहस के कारण इसे अब जनवरी 2026 तक ही पूरा कर लेने का रोडमैप तैयार कर लिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा शुरू करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे। इसमें राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है। लोकसभा में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस चर्चा में दूसरे वक्ता होंगे। इस चर्चा में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित अन्य सदस्य भी शामिल होंगे। संसद में यह चर्चा, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित और जदुनाथ भट्टाचार्य द्वारा संगीतबद्ध वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोह का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर 1937 में इस गीत से प्रमुख छंदों को हटाने और विभाजन के बीज बोने का आरोप लगाया था। सात नवंबर को, मोदी ने वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष भर आयोजित होने वाले समारोहों की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और छात्रों के बीच इस गीत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। अधिकारियों ने बताया, चर्चा के दौरान वंदे मातरम् से जुड़े कई महत्वपूर्ण और अनजाने पहलू देश के सामने आएंगे।

गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे और स्वास्थ्य मंत्री एवं राज्यसभा के नेता जे पी नड्डा दूसरे वक्ता होंगे।

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर भी चर्चा होगी, जिसमें मंगलवार और बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित इसके सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा।

राज्यसभा में बुधवार और बृहस्पतिवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी। एक दिसंबर से शुरू हुए शीतकालीन सत्र के पहले दो दिनों की कार्यवाही एसआईआर पर विपक्षी दलों के हंगामे के कारण बाधित रही।

इस सप्ताह अमेरिकी फेड के फैसले, एफआईआई की गतिविधियों से तय होगी बाजार की चाल : विश्लेषक

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के रुझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा। पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिना किसी खास बदलाव के बंद हुए।

रिलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार 12 दिसंबर को आने वाले भारत के सीपीआई आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है।'' निवेशक रुपए की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले सप्ताह डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ शोध विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा कि निवेशकों का ध्यान अब पूरी तरह 910 दिसंबर 2025 को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है।

नशे के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए दृढ़ प्रयासों की आवश्यकता: राज्यपाल

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने रविवार को कहा कि राज्य में नशे के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए समन्वित और दृढ़ प्रयासों की आवश्यकता है। गैर-सरकारी संगठनों के समूह 'संजीवनी' द्वारा आयोजित 'वार ऑन ड्रग्स- चिट्टे पर चोट' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला के उद्घाटन के बाद राज्यपाल ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस की कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ इससे प्रभावित लोगों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना भी अत्यंत आवश्यक है। शुक्ला ने कहा कि समाज से नशे के उन्मूलन के लिए गैर-सरकारी संगठनों के साथ-साथ धार्मिक संस्थाओं की भागीदारी भी महत्त्वपूर्ण है और विदेशी एजेंसियों द्वारा संचालित नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए समाज का सामूहिक प्रयास जरूरी है। शुक्ला ने नशे के खिलाफ प्रदेश सरकार के प्रयासों तथा विधानसभा में सत्तापक्ष व विपक्ष द्वारा इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''सामूहिक राजनीतिक इच्छाशक्ति से देवभूमि को इस संकट से बचाया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि 'चिट्टे पर चोट' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक संकल्प है। राज्यपाल ने कहा कि यह संगठन, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों को सरकार के साथ मिलकर नशा रोकथाम, परामर्श, पुनर्वास, प्रशिक्षण और जमीनी स्तर पर जागरूकता से जुड़े कार्यों में सहयोग करने के लिए मंच प्रदान कर रहा है।

घरेलू रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा, निर्यात 24,000 करोड़ रुपए के करीब: राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन 2014 के 46,000 करोड़ रुपए से बढ़कर रिकॉर्ड 1.51 लाख करोड़ रुपए हो गया है और आयात पर निर्भर देश अब उत्पादक-निर्यातक के रूप में उभरा है। सिंह ने कहा कि देश में एक समय घरेलू स्तर पर हथियार और उपकरण बनाने के लिए मजबूत प्रणाली का अभाव था, लेकिन पिछले दशक के दौरान किए गए निरंतर प्रयासों से स्थिति बदल गई है।

सिंह ने देश के विभिन्न हिस्सों में सीमा सड़क संगठन द्वारा पूरी की गई 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''पिछले 10 वर्षों में हमारा रक्षा उत्पादन, जो 2014 में 46,000 करोड़ रुपए था, अब बढ़कर रिकॉर्ड 1.51 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। हमारा रक्षा निर्यात, जो 10 वर्ष पहले 1,000 करोड़ रुपए से भी कम था, अब लगभग 24,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।'' केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और जम्मू-कश्मीर तथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मिजोरम समेत सात राज्यों में इन परियोजनाओं के तहत 28 सड़कों, 93 पुलों का काम और चार विविध कार्य 5,000 करोड़ रुपए की लागत से पूरे हो चुके हैं। तकनीकी नवाचार में उल्लेखनीय प्रगति के लिए बीआरओ की सराहना करते हुए सिंह ने कहा उन्नत इंजीनियरिंग पद्धतियां बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी ला रही हैं। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के तहत 'गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स' के साथ साझेदारी में स्वदेशी रूप से विकसित 'क्लास-70' मॉड्यूलर पुलों को बीआरओ द्वारा अपनाने का विशेष उल्लेख किया। कई अग्रिम स्थानों पर इन मॉड्यूलर पुलों का सफल निर्माण इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे स्वदेशी तकनीक सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे में बदलाव ला रही है। पूरी तरह से भारत में निर्मित ये पुल, भारत की इंजीनियरिंग आत्मनिर्भरता में महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं।''

पंजाब में सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़: डीजीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति के पास से पांच पिस्तौल बरामद की गई हैं।

यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी अपने वांछित सहयोगी सैफली सिंह के साथ मिलकर पाकिस्तान स्थित एक आका के निर्देश पर हथियारों की खेप प्राप्त कर रहा था और पंजाब में अपराधियों और गैंगस्टर को इनकी आपूर्ति कर रहा था।

अमृतसर में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

डीजीपी ने कहा कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जांच जारी है।

आवास ऋण नौ लाख करोड़ रुपए के पार, ऋण वृद्धि 14% रहने की उम्मीद : एसबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि बैंक का आवास ऋण पोर्टफोलियो पिछले महीने नौ लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है और उन्हें भरोसा है कि खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्र में जारी तेजी से चालू वित्त वर्ष में कुल ऋण वृद्धि 14 प्रतिशत रहेगी। आरएएम खंड सितंबर में ही 25 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर चुका है।

आर्थिक वृद्धि में सुधार को देखते हुए एसबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए ऋण वृद्धि लक्ष्य को पहले के 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया है। 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में शेट्टी ने कहा, हमने ऋण वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। अब यह 12 प्रतिशत से 14 प्रतिशत है। हमें मजबूत ऋण वृद्धि दिख रही है, खासकर आरएएम खंड में। एमएसएमई क्षेत्र में 17-18% और कृषि तथा खुदरा में करीब 14% की वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण ऋण में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है, जबकि असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण में दो अंकों की वृद्धि होगी। कुछ समय से सुस्त चल रहा कॉर्पोरेट ऋण खंड भी दूसरी तिमाही में पुनः गति पकड़ता दिखा और 7.1% की वृद्धि दर्ज की। शेट्टी ने कहा, कॉर्पोरेट ऋण के लिए हमारा अनुमान निचले दो अंकों में है। इस तरह कुल मिलाकर 12-14 प्रतिशत ऋण वृद्धि हासिल करना पूरी तरह संभव है।

जम्मू-कश्मीर: पुंछ में नियंत्रण रेखा पर जंगल में लगी आग से बारूदी सुरंगों में विस्फोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेंढर/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास रविवार को जंगल में लगी आग के कारण कम से कम आधा दर्जन बारूदी सुरंगों में विस्फोट हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वा करीब 10 बजे एलओसी के नजदीक बालाकोट के जंगल में आग लग गई, जिससे लगभग छह बारूदी सुरंगों में विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। सीमा पार से आतंकवादियों की घुसपैठ को रोकने के लिए घुसपैठ रोधी बाधा प्रणाली के तहत नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों में बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि आग अब भी भड़की हुई है और उसे बुझाने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली पुलिस ने विदेशी मुद्रा धोखाधड़ी गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने विदेशी मुद्रा धोखाधड़ी से जुड़े संगठित गिरोह के कथित सरगना को गिरफ्तार किया है। गिरोह ने कई राज्यों में व्यापारियों, पेशेवरों और ट्रैवल कंपनियों से ठगी की है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी कृष्ण कुमार शर्मा (31) कोलकाता में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में वांछित था। वहां उसने कथित तौर पर एक व्यक्ति को विदेशी मुद्रा विनिमय के बहाने ठगा था और 15,000 अमेरिकी डॉलर और 1,000 यूरो लेकर फरार हो गया था, जिनकी कीमत लगभग 14.5 लाख रुपए थी। पुलिस उपायुक्त (अपराध) हर्ष इंदौरा ने एक बयान में कहा, ''शर्मा एक संगठित धोखाधड़ी गिरोह चलाता था जो पीड़ितों को आकर्षक विदेशी मुद्रा विनिमय का झांसा देकर और कभी-कभी फिल्म उद्योग के पेशेवर होने का दिखावा करके फंसाता था। उसने कथित तौर पर खुद को एक फिल्म निर्माता के रूप में पेश किया और व्यापारियों का विश्वास जीतने के लिए पांच सितारा होटलों में बैठकें आयोजित कीं।''

नवीकरणीय ऊर्जा के लिए वित्तपोषण रोकने को कोई परामर्श जारी नहीं किया : एमएनआरई

नई दिल्ली/भाषा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने रविवार को साफ किया कि उसने वित्तीय संस्थानों को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं या नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण इकाइयों को ऋण देना रोकने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया है। मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में यह कहा।

यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बीच आया जिनमें कहा जा रहा था कि एमएनआरई ने अत्यधिक क्षमता की चिंताओं के मद्देनजर ऋणदाताओं को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई वित्त सहायता रोकने की सलाह जारी की है।

मंत्रालय ने बयान में कहा, ''यहां स्पष्ट किया जाता है कि एमएनआरई ने वित्तीय संस्थानों को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं या नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण संयंत्रों को ऋण देना रोकने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया है।''

हालांकि, इसमें यह भी कहा गया कि मंत्रालय ने ने वित्तीय सेवा विभाग और पीएफसी, आरईसी तथा आईआरईडीए जैसे एनबीएफसी को सौर पीवी विनिर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान स्थापित घरेलू क्षमताओं के बारे में बताया है। बयान में कहा गया कि भारत सरकार सौर पीवी विनिर्माण में देश को आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक मूल्य शृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चुनाव में धांधली करने में आम आदमी पार्टी की मदद कर रही है पंजाब पुलिस : सुनील जाखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने राज्य पुलिस पर आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के साथ मिलकर 'अलोकतांत्रिक कार्यों' में शामिल होने का आरोप लगाया है। जाखड़ ने पंजाब पुलिस पर तीखा हमला करते हुए रविवार को इसे ''वर्दीधारी गैंगस्टर'' करार दिया और आरोप लगाया कि कुछ पुलिसकर्मियों ने आप सरकार के आगे घुटने टेक दिए हैं और अलोकतांत्रिक कार्यों में उनकी मदद कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कथित रूप से बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार पर भी निशाना साधा और दावा किया कि पंजाब में भय का माहौल है। उन्होंने कहा कि राज्य में जबरन वसूली की धमकियों और गोलीबारी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा गैंगस्टरों को सात दिन के भीतर पंजाब छोड़ने या परिणाम भुगतने की चेतावनी का हवाला देते हुए यह बात कही। जाखड़ ने दावा किया कि गैंगस्टरों ने इस चुनौती को छोड़ने के बजाय खुलेआम स्वीकार कर लिया है और वे रोजाना अपराध कर रहे हैं, जबकि केजरीवाल को धमकी देने के बाद से पंजाब में नहीं देखा गया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने मीडिया को संबोधित करते हुए फिरोजपुर में आरएसएस नेता के बेटे की हत्या, लुधियाना में एक मैरिज पैलेस में गोलीबारी के दौरान दो लोगों की मौत, तथा फगवाड़ा में आप नेता दलजीत राजू के आवास पर हमला सहित कई चिंताजनक घटनाओं का हवाला भी दिया।

'असहाय' बनने की कोशिश कर उपराज्यपाल पर दोष मढ़ रहे हैं उमर अब्दुल्ला : सज्जाद लोन

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने रविवार को आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला लोक सेवा आयोग द्वारा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा कराए जाने के मुद्दे पर असहाय होने का नाटक कर रहे हैं और परीक्षा में शामिल होने की अधिकतम आयु सीमा में छूट देने के अनुरोधों को नजरअंदाज कर रहे हैं। लोन ने मुख्यमंत्री अब्दुल्ला पर उपराज्यपाल कार्यालय पर दोष मढ़ने का आरोप लगाया। लोन ने यहां संवाददाताओं से कहा, पिछले एक साल से हम एक मुख्यमंत्री को 'मिस्टर बेचारा' (असहाय) बनने की कोशिश करते हुए देख रहे हैं। वह लगातार रो रहे हैं कि उनके पास काम करवाने के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं। हंदवाड़ा से विधायक लोन ने कहा कि आयु सीमा में छूट की मांग पर कोई कार्रवाई नहीं होने से जम्मू कश्मीर के हजारों युवाओं के सपने चकनाचूर हो गए हैं।

सोने की चमक बरकरार, इस साल अबतक दिया लगभग 67 प्रतिशत रिटर्न: विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपएडॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 16 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं, इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश करना जरूरी है।

दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपए प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गयी। मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है। वहीं भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपए का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।'' उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है।''

अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं 10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारणों के बारे में पूछे जाने पर कलंत्री ने कहा, ''वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख,मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है। वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है।''

इंडिगो ने अब तक 610 करोड़ रु. के रिफंड की प्रक्रिया पूरी की: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपए के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और शनिवार तक 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है। सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी।

सरकार ने कहा कि देश का विमानन नेटवर्क तेजी से सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है और परिचालन पूरी तरह स्थिर होने तक सभी सुधारात्मक कदम लागू रहेंगे। सरकार ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया था कि रद्द उड़ानों से संबंधित टिकटों का रिफंड रविवार शाम तक पूरा किया जाए और यात्रियों के छूटे हुए सामान को अगले 48 घंटे के भीतर उन तक पहुंचाया जाए।

मंत्रालय ने कहा कि इंडिगो के हालिया परिचालन संकट के कारण उत्पन्न व्यवधान को दूर करने के लिए तेज और प्रभावी कदम उठाए

गए हैं, ताकि यात्रियों को आगे कोई असुविधा न हो। नागर विमानन मंत्रालय ने अपनी विज्ञप्ति में कहा, इंडिगो अब तक 610 करोड़ रुपए का रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर चुका है। रद्द उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के यात्रा पुनर्निर्धारण में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की सहायता के लिए विशेष सहायता केंद्र बनाए गए हैं, ताकि रिफंड और दोबारा बुकिंग से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके। मंत्रालय ने बताया कि देशभर में हवाई सेवाएं तेजी से सामान्य हो रही हैं। अन्य सभी घरेलू विमानन कंपनियां पूरी क्षमता के साथ सुचारू रूप से उड़ानें संचालित कर रही हैं, जबकि इंडिगो का प्रदर्शन भी लगातार सुधर रहा है। इंडिगो की उड़ानें शुक्रवार को 706 से बढ़कर शनिवार को 1,565 हो गईं और रविवार शाम तक 1,650 तक पहुंचने की संभावना है।

पुलिस ने इरोड में विजय की रैली के आयोजन की अनुमति नहीं दी

इरोड। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की 16 दिसंबर को इरोड में रैली आयोजित करने की अनुमति देने से पुलिस ने रविवार को इनकार कर दिया। विभाग के सूत्रों ने यह जानकारी दी। हाल में पार्टी में शामिल हुए पूर्व मंत्री के ए सेंगोट्टायन ने रविवार को एक अर्जी दायर कर रैली आयोजित करने की अनुमति मांगी थी।

इरोड नौ बार विधायक और पूर्व मंत्री रहे सेंगोट्टायन का गृह क्षेत्र है। सेंगोट्टायन अन्नाद्रमुक से निष्कासित किये जाने के बाद विजय की पार्टी में शामिल हो गये थे। विजय ने यहां पत्रकारों से कहा, ''टीवीके प्रमुख 16 दिसंबर को इरोड का दौरा करेंगे और एक विवाह भवन के निकट एक जनसभा को संबोधित करेंगे।'' पूर्व मंत्री ने जिलाधिकारी एस. कंडासामी को भी रैली की अनुमति को लेकर एक अर्जी सौंपी। बाद में उन्होंने जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारियों को अर्जी की एक प्रति सौंपी। इसके बाद, पुलिस अधीक्षक ए सुजाता ने इरोड-पेरुंदुरई मार्ग पर पावलथम्पलयम क्षेत्र में सात एकड़ की उस जगह का निरीक्षण किया, जहां टीवीके रैली आयोजित करना चाहते थे। बाद में पुलिस अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि यह स्थल भारी भीड़ और उनके वाहनों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त नहीं है, इसलिए अनुमति देने से इनकार कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के बारे में सेंगोट्टायन को सूचित कर दिया गया है और उन्हें एक अलग स्थान चुनने के लिए कहा गया है।

दीपम मामले में स्टालिन ने भाजपा पर परोक्ष रूप से 'घटिया राजनीति' का करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को भाजपा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि समाज में विभाजन पैदा करना अध्यात्म नहीं बल्कि सबसे ''घटिया राजनीति'' है। मुख्यमंत्री ने यहां बुनियादी ढांचे से संबंधित नयी परियोजनाओं की घोषणा करने के बाद कहा कि उनकी सरकार का विचार हमेशा तमिलनाडु की वृद्धि और विकास पर केंद्रित रहा है, जबकि अन्य के लिए यह अनावश्यक मुद्दों को उठाकर विकास को बाधित करने जैसा है।

स्टालिन ने कहा कि तीन दिसंबर को थिरुप्पारनकुंद्रम सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में और पहाड़ी पर स्थित उचिपिल्लायर मंदिर में 'कार्तिगई दीपम' (दीप) जलाया गया और अन्य संबंधित अनुष्ठान सरकार के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग द्वारा सदियों पुरानी प्रथा को ध्यान में रखते हुए पूरे किए गए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग और सच्चे श्रद्धालु इस बात से वाकिफ थे और वे दर्शन करके घर लौट गए।

दीपम विवाद का हवाला देते हुए स्टालिन ने कहा कि ''लोग ''मौजूदा समस्या'' के पीछे के कारण से वाकिफ थे, और उन लोगों के ''लक्ष्य'' से भी वाकिफ थे जो किसी खास जगह पर दीप जलाने का मुद्दा उठा रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, आध्यात्म का अर्थ लोगों के बीच एकता को बढ़ावा देना, मन की शांति लाना और अच्छा कार्य करना है।''

सबरीमला मंदिर में लगी मामूली आग, तुरंत बुझाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पत्तानमथिट्टा (केरल)/भाषा। केरल के सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर परिसर में रविवार को मामूली आग लग गई, लेकिन अग्निशमन एवं बचाव कर्मियों ने तुरंत इस पर काबू पा लिया। आग की वजह से तीर्थ यात्रियों में हालांकि कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई।

अधिकारियों ने बताया कि आग सुबह करीब 8.20 बजे सन्निधानम (मंदिर परिसर) में आझी (पवित्र अग्निकुंड) के पास एक बरगद के पेड़ पर लगी देखी गई। उन्होंने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि पेड़ पर लगी एलईडी सजावटी लाइट में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। अधिकारियों ने बताया कि सन्निधानम में अग्निशमन एवं बचाव कर्मियों ने तत्काल कार्रवाई की और आग को फैलने से पहले ही बुझा दिया। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर, पथिनेत्तमपदी (18 पवित्र सीढ़ियां) में प्रवेश अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आने की घोषणा के तुरंत बाद सामान्य तीर्थयात्रा फिर से शुरू हो गई।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्राधिकारियों ने पुष्टि की है कि आग की वजह से कोई हताहत नहीं हुआ है तथा मंदिर की सभी गतिविधियां बिना किसी व्यवधान के जारी हैं।

भाजपा नेता सुरेश गोपी अभी तक अभिनेता से नेता नहीं बन पाए : मंत्री शिवनकुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी पर तीखा हमला करते हुए रविवार को कहा कि वह अब भी एक फिल्म अभिनेता से परिपक्व नेता की भूमिका में ढल नहीं पाए हैं। शिवनकुट्टी ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि गोपी की हालिया टिप्पणियां साबित करती हैं कि वह अपनी अभिनेता वाली खुमारी से बाहर नहीं निकल सके हैं और अब ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां वे बेतुकी बातें करने लगे हैं।

मंत्री ने राजनीतिक विरोधियों को मूर्ख कहने पर गोपी की कड़ी आलोचना की और पूछा कि क्या इस तरह की भाषा किसी जिम्मेदार सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को शोभा देती है। उन्होंने कहा, ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करके भाजपा नेता खुद को शर्मिंदा कर रहे हैं और उस राजनीतिक दल की असली संस्कृति को उजागर कर रहे हैं, जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। हाल में कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान गोपी ने कोच्चि मेट्रो के विस्तार संबंधी उनके बयान का मजाक उड़ाने वालों को मूर्ख कहा था।

शिक्षा मंत्री ने तिरुवनंतपुरम की राजनीतिक भूगोल को लेकर गोपी की समझ पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि एक हालिया वीडियो में अभिनेता ने राजधानी जिले में सात या आठ विधानसभा क्षेत्र होने की बात कही, जो तथ्यात्मक रूप से गलत है।

तमिलनाडु में 11वीं कक्षा के छात्रों के हमले में 12वीं के छात्र की मौत

कुंभकोणम। तमिलनाडु में कुंभकोणम के पास पट्टेश्वरम में एक सरकारी स्कूल में 11वीं कक्षा के छात्रों के हमले में घायल हुए 12वीं कक्षा के छात्र की रविवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चार दिसंबर को पट्टेश्वरम में स्थित सरकारी अरिग्नार अन्ना मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 11वीं कक्षा के 14 छात्रों ने अपने एक वरिष्ठ छात्र पर कथित तौर पर हमला किया। उन्होंने बताया कि छात्रों ने यह हमला दोनों कक्षाओं के बीच हुए विवाद के बाद किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी छात्रों ने पीड़ित छात्र के सिर पर लकड़ी के डंडे से वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर घायल छात्र के माता-पिता स्कूल पहुंचे और उसे कुंभकोणम सरकारी अस्पताल ले गए। अधिकारी ने कहा कि इसके बाद पीड़ित छात्र को इलाज के लिए तंजावुर के एक निजी अस्पताल में भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि उसके मस्तिष्क में जमे रक्त के थक्के को हटाने के लिए ऑपरेशन किया गया। पुलिस ने पुष्टि की कि शनिवार देर रात लगभग 2:30 बजे छात्र की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 14 आरोपी छात्रों को बाल सुधार गृह भेज दिया दिया गया है। पट्टेश्वरम पुलिस ने बताया कि उसने इस संबंध में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

केरल स्थानीय निकाय चुनाव के पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार समाप्त

तिरुवनंतपुरम। केरल में स्थानीय निकाय चुनावों के पहले चरण के लिए प्रचार अभियान रविवार शाम को समाप्त हो गया। निर्वाचन आयोग ने नौ दिसंबर को राज्य के सात जिलों में पहले चरण के मतदान के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को दो चरणों में होने वाले हैं। इन चुनावों को अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। पहले चरण में सात दक्षिणी जिलों में मंगलवार को मतदान होगा। इन जिलों में तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टयम, इडुक्की और एर्नाकुलम जिले शामिल हैं। वहीं, दूसरे चरण में 11 दिसंबर को त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, वायनाड, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य भर के 23,576 वार्डों में दो चरणों में होने वाले इन चुनावों में 1,32,83,789 लोग मतदान करेंगे। ये मतदाता चुनावी मैदान में मौजूद 75,632 उम्मीदवारों के राजनीतिक भविष्य का फैसला करेंगे। इसके बाद, सभी 1,199 स्थानीय निकायों में हुए चुनावों के परिणाम 13 दिसंबर को घोषित किए जाने हैं।

अगवा किए गए व्यवसायी को केरल के पलक्कड़ में एक खाली घर से छुड़ाया गया

पलक्कड़ (केरल)/भाषा। बंदूक का भय दिखाकर कथित तौर पर अगवा किए गए एक व्यापारी को रविवार को यहां एक खाली घर में पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मोहम्मद अली को शनिवार रात एक अज्ञात समूह ने उस समय अगवा कर लिया, जब वह अपनी लग्जरी कार में सवार होकर मलप्पुरम के वंदूर से कोच्चि हवाई अड्डे के लिए जा रहे थे। चालिस्सेरी पुलिस में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, चार नकाबपोश बदमाशों ने शोरानूर के पास दुबीर रोड पर अली की कार को रोक लिया। प्राथमिकी के अनुसार, बदमाशों ने कार का शीशा तोड़कर अली पर बंदूक तान दी, उन्हें जबरन अपनी गाड़ी में बिठा लिया और मौके से फरार हो गए। शोरानूर के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने संबंधित वाहनों के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि अली को रविवार तड़के कोठाकुरुस्सी के एक खाली पड़े घर में पाया गया। पुलिस ने बताया कि व्यवसायी के रिश्तेदारों को फोन कर फिरौती मांगी गई थी। केरल और विदेश में कई व्यावसायिक उपक्रमों के मालिक अली को अपहरणकर्ताओं द्वारा किए हमले में गंभीर चोटें आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया है। संदेह है कि व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता के कारण वारदात को अंजाम दिया गया होगा। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

भारत सरकार का फोकस खेलों पर, ओलंपिक की मेजबानी दूर की बात नहीं : एफआईएच अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत की मेजबानी में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी का दावा करते हुए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा कि खेलों पर भारत सरकार के फोकस को देखते हुए ओलंपिक की मेजबानी अब दूर की बात नहीं है। भारत को दो दशक बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली है जो 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होंगे जिसे 2036 ओलंपिक की भारत की दावेदारी पुख्ता करने के लिये एक अहम कदम माना जा रहा है।

यहां जूनियर हॉकी विश्व कप से इतर भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में भारत की ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी के बारे में पूछने पर इकराम ने कहा , हमें इस तरह की उम्मीदवारी पसंद है और यह अच्छा भी है क्योंकि इसमे अलग हितधारक और प्रतिस्पर्धी होंगे। राष्ट्रमंडल खेल 2030 भी भारत में हो रहे है। उन्होंने कहा, ''इस समय भारत सरकार का फोकस खेलों और खेलों की मेजबानी पर है लिहाजा ओलंपिक की मेजबानी बहुत दूर की बात नहीं है।'' ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में बजट में कटौती के लिये कई खेलों को रोस्टर से हटाया गया है जिनमे हॉकी भी शामिल है लेकिन एफआईएच अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि 2030 में हॉकी की मजबूती से वापसी होगी।

उन्होंने कहा, 'अगले साल होने वाले खेल राष्ट्रमंडल खेल के लिये काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण हैं। लेकिन हॉकी राष्ट्रमंडल का हिस्सा रही है और हमेशा रहेगी। हमारी राष्ट्रमंडल खेल से लगातार अच्छी बातचीत हो रही है और 2030 में हॉकी की और मजबूती से वापसी होगी।' व्यावसायिक दृष्टि से भारत को वैश्विक हॉकी का महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए एफआईएच अध्यक्ष ने कहा कि खेल को क्रिकेट या बाकी खेलों की तरह लोकप्रिय बनाने के लिये भारत बड़ा मंच है और यही वजह है कि यहां पिछले एक दशक में काफी वैश्विक हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किये गए हैं।

भारत में 2016 पुरुष जूनियर विश्व कप (लखनऊ), 2014 चैम्पियंस ट्रॉफी (भुवनेश्वर), 2018 सीनियर पुरुष विश्व कप (भुवनेश्वर), 2023 सीनियर पुरुष विश्व कप (भुवनेश्वर और राउरकेला) के अलावा महिला और पुरुष एशिया कप और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी का भी आयोजन किया गया है। इकराम ने कहा, यह भारत ही नहीं बल्कि विश्व हॉकी के लिये भी महत्वपूर्ण है। भारत हॉकी का घर हैं और यहां लोग खेलों से प्यार करते हैं। क्रिकेट यहां काफी लोकप्रिय है लेकिन भारत में एफआईएच और अन्य एशियाई टूर्नामेंटों की मेजबानी से दर्शक हॉकी की ओर भी आ रहे हैं। मेरे लिये यह बहुत अहम है कि हॉकी उस स्तर पर पहुंचे जहां क्रिकेट जैसे दूसरे खेल हैं।

उन्होंने कहा, ''भारत यह साबित करने के लिये सबसे बड़ा मंच है और यह हो रहा है। हमे सबसे ज्यादा दर्शक संख्या भारत से मिल रही है जो यह अपने आप में सब कुछ कहता है।'' जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पहली बार महिला अंपायरों की नियुक्ति की गई है और इकराम ने इसे लैंगिक समानता की एफआईएच की मुहिम का अहम कदम बताया।

उन्होंने कहा, ''यह खेलों में महिला सशक्तिकरण की अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और संयुक्त राष्ट्र की मुहिम का हिस्सा है। एफआईएच समानता, विविधता और समावेशिता का पक्षधर रहा है। यह हमारा प्रोजेक्ट और थीम है जो सिर्फ समान संख्या में अधिकारियों या खिलाड़ियों को लेकर नहीं है बल्कि सामर्थ्य निर्माण के बारे में भी है ताकि भविष्य में मजबूत महिला अधिकारी, खिलाड़ी और नायक निकल सके। यह एफआईएच की सशक्तिकरण और जुड़ाव की नीति के काफी करीब है।''

मुआयना — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेलगावी में 9 दिसंबर को भारतीय जनता पार्टी द्वारा सुवर्ण सौधा घेरने को लेकर एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जानेवाला है। रविवार को बेलगावी में विरोध प्रदर्शन जगह का मुआयना करते हुए विपक्ष के चीफ व्हिप एन रवि कुमार, राज्य सचिव शरणु तारिकेरी, बेलगावी रूरल के अध्यक्ष सुभाष पाटिल और पार्टी के नेता इस मौके पर मौजूद थे।

विजयन ने जमात-ए-इस्लामी पर निशाना साधा, इसके नेताओं के साथ बैठक की बात स्वीकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड/भाषा। मुस्लिम संगठन जमात-ए-इस्लामी की अक्सर आलोचना करते रहे मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को कहा कि वह पहले मुस्लिम संगठन के अनुरोध पर इसके नेताओं से मिले थे। कोझिकोड प्रेस क्लब में आयोजित 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए विजयन ने बैठक की पुष्टि की और कहा कि यह बैठक मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) राज्य समिति कार्यालय में हुई।

विजयन ने कहा, उन्होंने मुझसे मिलने के लिए कहा, इसलिए वे माकपा राज्य समिति कार्यालय आए। लेकिन मैंने मुलाकात के दौरान उन्हें कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी। मुख्यमंत्री के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने पूरी बैठक में अपना रुख स्पष्ट करने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि 'सॉलिडैरिटी यूथ मूवमेंट' के नेता भी इस बातचीत में मौजूद थे।

उन्होंने कहा, जब उन्होंने 'सॉलिडैरिटी यूथ मूवमेंट' के नेता का परिचय कराया, तो मैंने उनके मुंह पर कहा कि वे अब सबसे बड़े असामाजिक तत्व हैं। वे मेरी प्रतिक्रिया से हैरान रह गए। विजयन ने कहा कि उनकी इस तरह की प्रतिक्रिया की वजह से सॉलिडैरिटी यूथ मूवमेंट ने राज्य में सभी अच्छी पहल का विरोध किया है। उन्होंने कहा, हम सच बोलने में नहीं हिचकते। न तब, न अब।

जमात-ए-इस्लामी एक मुस्लिम संगठन है जिसका अब माकपा और सत्तारूढ़ एलडीएफ विरोध कर रहा हैं। उनका आरोप है कि इसके यूडीएफ के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। 'सॉलिडैरिटी यूथ मूवमेंट' संगठन की युवा शाखा है। राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले आयोजित हालिया प्रेस वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री लगातार जमात-ए-इस्लामी पर निशाना साधते रहे हैं और इसे सांप्रदायिक समूह कहते रहे हैं। हालांकि, यूडीएफ ने दावा किया है कि एलडीएफ और माकपा ने अतीत में जमात-ए-इस्लामी के साथ बैठकें की थीं और चुनावों के दौरान उसका समर्थन मांगा था।

कर्नाटक पर कांग्रेस आलाकमान की बैठक बेनतीजा रही, फिर होगा मंथन

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस नेतृत्व ने कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर जारी चर्चा के बीच शनिवार को इस विषय के समाधान पर विस्तृत मंथन किया, हालांकि कोई नतीजा नहीं निकल सका। इस मामले पर कांग्रेस आलाकमान की जल्द ही एक और बैठक होगी।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की आवास '10 जनपथ' पर शनिवार शाम हुई इस बैठक में सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद थे। बैठक के बाद वेणुगोपाल ने कहा कि इस बैठक में कर्नाटक के विषय समेत संपूर्ण राजनीतिक हालात और 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली पार्टी की रैली की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हमने कर्नाटक पर भी चर्चा की है। अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। हम इस मुद्दे पर एक और चर्चा करेंगे। कर्नाटक कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट है। अगले कुछ दिनों में कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व कर्नाटक मुद्दे पर विचार-विमर्श के लिए फिर से बैठक करेगा। आलाकमान ने पहले ही राज्य के नेताओं को इस मामले पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी न करने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पिछले दिनों कहा था कि वह सोनिया गांधी और राहुल गांधी से चर्चा के बाद कर्नाटक के मामले का समाधान करेंगे। बीते 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के ढाई साल पूरा होने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है, क्योंकि 2023 में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच कथित सत्ता साझेदारी'' समझौते का दावा किया जा रहा है। सिद्दरामय्या ने हाल ही में कहा था कि वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट पेश करना जारी रखेंगे। शिवकुमार ने कहा था कि वह मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर बात नहीं करना चाहते, क्योंकि यह पार्टी में चार-पांच लोगों के बीच एक ''गुप्त समझौता'' है, और उन्हें अपनी अंतरात्मा पर भरोसा है। कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के 20 नवंबर को आधा कार्यकाल पूरा करने के बाद राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष तेज हो गया था।

चिन्नास्वामी स्टेडियम आईपीएल की मेजबानी जारी रखेगा: डी के शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को घोषणा की कि चिन्नास्वामी स्टेडियम भविष्य में आईपीएल मैचों की मेजबानी करता रहेगा। यह घोषणा चार जून को स्टेडियम में हुई भगदड़ के बाद कर्नाटक में आईपीएल की मेजबानी को लेकर संदेह के बीच की गई है। भगदड़ उस समय हुई थी जब आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी संख्या में भीड़ एकत्र हुई थी।

शिवकुमार ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष पद के चुनाव में अपना वोट दिया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भविष्य में एक नया बड़ा स्टेडियम भी बनाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं क्रिकेट प्रेमी हूं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कर्नाटक में हुई दुर्घटना दोबारा न हो और चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट कार्यक्रम इस तरह से आयोजित किए जाएं जिससे बेंगलूरु का सम्मान बना रहे। उन्होंने कहा कि केएससीए कानून के दायरे में स्टेडियम का संचालन करेगा तथा भीड़ प्रबंधन के लिए उचित उपाय किए जाएंगे। शिवकुमार ने कहा, हम आईपीएल को कहीं और स्थानांतरित नहीं करेंगे। आईपीएल यहीं चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा। यह बेंगलूरु और कर्नाटक का गौरव है, जिसे हम बरकरार रखेंगे। महिलाओं के मैचों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सरकार उनके लिए भी अवसर सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने बेलगावी पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या रविवार को बेलगावी के सुवर्ण विधान सौधा में 8 दिसंबर से 19 दिसंबर तक होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने बेलगावी शहर पहुंचे। बेंगलूरु से हेलीकॉप्टर से सुवर्ण विधान सौधा के परिसर में बने हेलीपैड पर पहुंचे मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का स्वागत महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने किया।

इस मौके पर समाज कल्याण मंत्री डॉ. एच.सी. महादेवप्पा, विधान परिषद सदस्य चेन्नाराज हटदिहोली और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और अन्य लोग मौजूद थे।

जयपुर में एक तरफ झुकी बहुमंजिला निर्माणाधीन इमारत को गिराया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के मालवीय नगर इलाके में उस बहुमंजिला निर्माणाधीन इमारत को रविवार को गिरा दिया जिसमें शनिवार को अचानक बड़ी बड़ी दरारें आ गईं और वह एक ओर झुक गई थी। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की तकनीकी टीम ने जेसीबी मशीनों से इस इमारत को एक तरफ से कमजोर किया और उसके बाद उसे गिरा दिया गया। यह निर्माणाधीन इमारत एक होटल की थी। इसका मालिक मौके पर पहुंचा और जेडीए की कार्रवाई पर एतराज जताया। उनकी वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों के साथ बहस भी हुई। उन्होंने दावा किया कि इमारत को गिराने से पहले कोई विधि या तकनीकी सलाह नहीं ली गई थी। उन्होंने दावा किया कि इमारत की योजना नगर निगम से मंजूरशुदा है और उन्होंने बतौर फीस 1.25 लाख रुपये जमा किए हैं।

इमारत के मालिक ने कहा, वे अब कह रहे हैं कि मामला जेडीए के अधीन आता है। हमारा नक्शा नगर निगम ने पास किया था।

इसके बावजूद इमारत को अवैध घोषित कर दिया गया और गिरा दिया गया। मालवीय नगर के सेक्टर-9 में इस इमारत के ढांचे का निर्माण लगभग पूरा हो चुका था। शनिवार को बेसमेंट के पास खुदाई के काम के दौरान इसमें दरारें आ गईं और इमारत एक तरफ झुक गई, जिससे कुछ समय के लिए इसे सहारा देने के वास्ते दो क्रेन बुलानी पड़ीं। इसके मालिकों में से एक नरेश मनवानी ने कहा कि निर्माण कार्य लगभग पांच महीने से चल रहा था। उन्होंने कहा, सीढ़ियों के लिए गड्ढा खोदा जा रहा था तभी एक स्तंभ खिसक गया और इमारत झुक गई।

मेहंदीपुर बालाजी के लिए आज से हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होगी

जयपुर। जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मेहंदीपुर बालाजी के लिए सोमवार से हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होगी। यह पहली उड़ान सेवा सुबह 11 बजे यहां उतरेगी। मेहंदीपुर बालाजी जो कि 'पंच गौरव' में शामिल है वहां पर जिला प्रशासन धार्मिक पर्यटन के विकास की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। उसी क्रम में यहां हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। बालाजी के दर्शन करने के लिए देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, जिनके लिए रेल एवं सड़क मार्ग से आवागमन की अच्छी सुविधा उपलब्ध है। अब हेलिकॉप्टर सेवा शुरू होने से यहां धार्मिक पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को फायदा होने के साथ स्थानीय निकायों के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी। भविष्य में जल्द ही दौसा जिले के अन्य पर्यटन स्थल जैसे आभानेरी इत्यादि को भी इस सेवा से जोड़ा जाएगा।

यह सेवा राज्य सरकार के प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय एवं पर्यटन मंत्रालय की नीतियों के अनुरूप शुरू की जा रही है।

उद्घाटन

जयपुर में रविवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 101.26 करोड़ की लागत से निर्मित नाड़ी का फाटक पर 4 लेन आरओबी तथा सीतावाली फाटक और बैनाड़ फाटक के मध्य आरयूबी का शिलान्या सकरती उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी।

सीकर में हनी ट्रैप गैंग की महिला सदस्य गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। राजस्थान में सीकर के नीमकाथाना पाटन पुलिस ने हनी ट्रैप के जरिए लोगों को ब्लैकमेल कर भारी रकम वसूलने वाली गैंग की एक और महिला सदस्य को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने इस गैंग के 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि ममता को जयपुर से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि आरोपी महिला सुनियोजित तरीके से लोगों को अपने प्रेमजाल में फंसाती थी। वह पहले फोन पर संपर्क करके लोगों का भरोसा जीतती, फिर उन्हें दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर लाखों रुपए की मांग करती थी। आरोपी महिला का नाम ममता उर्फ नाथी है, जो खंडेला के नेहरा की ढाणी निवासी है। गिरफ्तार की गई महिला के गैंग के छह अन्य सदस्य पहले ही पुलिस के गिरफ्त में आ चुके हैं। इस गैंग का खुलासा उस समय हुआ, जब ग्राम धांधेला निवासी ई-मित्र संचालक अनुज कुमार सैनी ने 21 नवंबर को पाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

अनुज कुमार सैनी ने पुलिस को बताया था कि एक गैंग ने उन्हें बार-बार फोन कर प्रेमजाल में फंसाया था, उसके बाद जब वे उनसे बात करने लगे तो महिला ने दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज करवाने की धमकी देकर दो लाख रुपए की मांग की। जब हमने पैसा नहीं दिया तो उससे कहा गया, अब तुम पुलिस के पास जाओगे, तब पता चलेगा।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक टीम का गठन कर इस गैंग की छह आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस गैंग के और लोगों की गिरफ्तारी के लिए जांच तेज कर दी है और गैंग के अन्य सदस्यों तथा उनके नेटवर्क का पता लगाने के लिए विशेष टीम बनाकर जांच की जा रही है। इस तरह के मामलों में आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि समाज में ऐसे अपराधों पर काबू पाया जा सके। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला से भी पूछताछ की जा रही है। इसने बताया है कि इसने इस तरह फोन करके कई लोगों को फंसाकर उनसे पैसा लिया है, जब उसको लोग पैसा दे देते थे, तो वो नए लोगों की तलाश शुरू कर देती थी।

वीर सैनिकों की राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा हमारे लिए प्रेरणादायी जवानों को उचित सम्मान देना हर नागरिक का कर्तव्य : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे वीर जवान अपने परिवार से दूर रहकर, कठिन परिस्थितियों में निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करते हैं। उनके अदम्य साहस और बलिदान के कारण ही हम सभी देशवासी चैन और सुकून से रह पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व सैनिक केवल सेवानिवृत व्यक्ति नहीं, बल्कि अनुभव और अनुशासन के प्रतीक हैं। उनकी राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा हम सब के लिए प्रेरणादायी है। यह देश के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह जवानों को उचित मान-सम्मान दें।

शर्मा ने रविवार को जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर थलसेना की दक्षिण पश्चिमी कमान की ओर से पूर्व सैनिकों की वीरता और बलिदान के सम्मान में आयोजित 'ऑनर रन' मैराथन को फ्लैग ऑफ किया। यह मैराथन सेना दिवस (15 जनवरी) के उपलक्ष्य में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में आयोजित की गई। मैराथन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौड़ हमारे राष्ट्र के उन अमर सपूतों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इसका उद्देश्य हमारे पूर्व सैनिकों के साहस, बलिदान और अदम्य भावना का सम्मान करना है, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनर रन के माध्यम से हम यह सन्देश देना चाहते हैं कि राजस्थान अपने सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि ऑनर रन का आयोजन हमारी सामूहिक चेतना की अभिव्यक्ति है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे हमारे जांबाज सैनिकों के त्याग, बलिदान और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर देश के निर्माण में अपना योगदान दें। अल्बर्ट हॉल पर आयोजित ऑनर रन मैराथन में 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर की 3 श्रेणियों की दौड़ आयोजित की गई। मैराथन में सेना के जवानों, पूर्व सैनिकों एवं आमजन ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। देशभक्ति के तरानों के बीच भारत माता की जयकार से माहौल जोश से भर उठा। कार्यक्रम में सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान पूर्व नौसेना अध्यक्ष एडमिरल माधवेन्द्र सिंह एवं जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में सेना के जवान, पूर्व सैनिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

राहुल गांधी संविधान और उसकी संस्थाओं का सम्मान नहीं करते : अर्जुन राम मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष संविधान और उसकी संस्थाओं का सम्मान नहीं करते हैं। केंद्रीय मंत्री का यह बयान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा पर राहुल गांधी की ओर से की गई टिप्पणी के बाद आई है। बीकानेर में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि वे कहते हैं कि उन्हें न्योता नहीं दिया गया। जब सीजेआई का शपथ ग्रहण समारोह हुआ था, तो विपक्ष को बुलाया गया था। उनकी कुर्सी मेरी कुर्सी के ठीक बगल में थी, लेकिन वे नहीं आए। इससे पता चलता है कि वे संविधान और उसकी संस्थाओं का सम्मान नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने राज्यसभा में एक प्राइवेट प्रस्ताव के ज़रिए कुछ आरोप लगाए थे। हमारे पर्यावरण मंत्री उपेंद्र यादव ने कहा कि हम मिलकर इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कुछ आंकड़े भी बताए, जिनसे पता चलता है कि हालात तेजी से सुधर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऐसी समस्याएं क्यों पैदा होती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे विभाग भी इस समस्या का पक्का समाधान ढूंढने के लिए मिलकर काम करेंगे। संसद में 'वंदे मातरम' पर चर्चा को लेकर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि अब सदन को आगे बढ़ना है और सहमति बन गई है। मुझे लगता है कि सोमवार को 'वंदे मातरम' पर भी चर्चा होगी।

इंडिगो फ्लाइट में देरी और कैंसिलेशन पर कहा कि पिछले 3-4 दिनों से हवाई यात्रा के ऑपरेशन में कुछ टेक्निकल दिक्कतें आ रही थीं। शुक्रवार को कुछ सदस्यों ने लोकसभा और राज्यसभा में यह मुद्दा उठाया।

एएनटीएफ ने 20 किलोग्राम से अधिक अफीम जब्त की

जयपुर। राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग से निपटने के लिए गठित विशेष पुलिस इकाई 'एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स' (एएनटीएफ) ने दो बड़े अभियान में 20 किलोग्राम से अधिक अफीम और 8.38 क्रिंटल डोडा पोस्त जब्त किया है। महानिरीक्षक (एएनटीएफ) विकास कुमार ने शनिवार को बताया कि पहले अभियान में सीकर में रींगस के पास पहले 20.8 किलोग्राम अफीम जब्त की गई।

विद्या भारती भारत में संस्कार निर्माण से जुड़ी शिक्षण संस्कृति है: राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि विद्याभारती संगठन नहीं भारत में संस्कार निर्माण से जुड़ी शिक्षण संस्कृति है। उन्होंने कहा यह शिक्षा प्रदान करने से जुड़ा राष्ट्र का सबसे बड़ा गैर सरकारी संस्थान ही नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों के चरित्र को गढ़ने वाला राष्ट्रीय अभियान है। बागड़े रविवार को विद्याभारती क्षेत्रीय प्रबंध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्याभारती संगठन के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि गोरखपुर में नानाजी देशमुख की प्रेरणा से भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करने की सोच से पहला सरस्वती शिशु मंदिर स्थापित हुआ। बाद में अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के रूप में विद्याभारती संस्थान के तहत देशभर में विद्यालयों की स्थापना हुई।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली को आधुनिक शिक्षा से जोड़कर राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करने में आज विद्याभारती महती भूमिका निभा रहा है। यह संगठन रटंत-आधारित शिक्षा को समाप्त कर नवाचार-केंद्रित शिक्षा के प्रसार में जो भूमिका निभा रहा है, वह अतुलनीय है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में विद्या भारती विद्यालयों की प्रासंगिकता बताते हुए कहा कि उच्च शिक्षा के अंतर्गत छात्रों को अनुभव और अनुकरण के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्या भारती प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपराओं को एकीकृत करते हुए मूल्य-आधारित शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय जागरूकता के लिए जो कार्य करता आ रहा है, उसका प्रभावी प्रसार भी दूसरे क्षेत्रों में हो। राज्यपाल ने दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचकर विद्या भारती द्वारा ग्रामीण, वनवासी, पर्वतीय और झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में शिशु वाटिकाओं से उच्च शिक्षा तक की सुविधा प्रदान करने में निभाई जा रही भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इससे पहले राज्यपाल ने विद्याभारती के क्षेत्रीय प्रबंध समिति कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन किया।

'इंडिगो' संकट का असर राजस्थान के पर्यटन पर भी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। निजी विमानन कंपनी 'इंडिगो' की उड़ानों को लेकर उपजे संकट का असर राजस्थान के पर्यटन सीजन पर भी पड़ा है। पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने रविवार को कहा कि इस संकट के कारण पर्यटकों की आवक घटी है और कई जगह होटल तथा यात्रा परिचालक प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि दिसंबर के महीने को राजस्थान में पर्यटकों के लिहाज से सबसे व्यस्त समय में से एक माना जाता है। सर्दियों का यह पर्यटन सीजन आमतौर पर दिसंबर में अपने चरम पर पहुंचता है। निजी विमानन कंपनी 'इंडिगो' के ताजा संकट की वजह से देश भर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द हुई हैं या उनमें देरी हुई है।

जयपुर के टूर ऑपरेटर संजय कौशिक ने कहा कि राजस्थान में 'व्यस्त सीजन' 10 दिसंबर से पांच जनवरी तक होता है। इसमें क्रिसमस और नववर्ष के जश्न जैसे मौके आते हैं तथा मौजूदा 'इंडिगो' संकट ने इसे बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, नुकसान सिर्फ उन लोगों को नहीं हुआ है, जिनकी उड़ानें रद्द हुईं। इससे भी बड़ा झटका यह है कि जिन पर्यटकों ने क्रिसमस और नववर्ष के लिए यात्राएं बुक की थीं वे उसे रद्द कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोगों में संशय है और वे परेशान हैं कि अगर यह मौजूदा संकट जारी रहा तो उनकी बुकिंग बेकार हो जाएगी। इसलिए नई बुकिंग बंद हो गई हैं जबकि पहले की बुकिंग रद्द हो रही हैं। 'व्यस्त सीजन' में ऐसा होने का मतलब है कि पूरे उद्योग को बड़ा झटका लगेगा।

होटलों, खासकर सप्ताहांत और अल्पावधि के लिए रुकने वाले यात्रियों के होटलों ने सामान्य से ज्यादा रद्दीकरण की जानकारी दी है। स्थानीय परिवहन प्रदाताओं और टूरिस्ट गाइड ने भी मांग में अचानक गिरावट की बात कही है। उन्होंने

कहा कि यह समय तो सबसे व्यस्त होना चाहिए लेकिन सब गड़बड़ हो गया। टूर ऑपरेटर रघुवीर सिंह ने कहा, कई पर्यटक अपनी यात्राएं रद्द कर रहे हैं या उन्हें दुबारा तय कर रहे हैं क्योंकि उड़ानें मिल नहीं रहीं, दूसरा किराए बहुत बढ़ गए हैं। इसका सीधा असर जयपुर, उदयपुर और जोधपुर में बुकिंग पर पड़ा है।

किलों, महलों, रेगिस्तानी नजारों, वन्यजीवन, आदिवासी संस्कृतियों, तीर्थ स्थलों और लग्जरी होटलों वाला राजस्थान देश में सबसे अलग-अलग तरह के पर्यटन अनुभव देता है। पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने आगाह किया है कि उड़ानों में संकट से खासकर जयपुर, उदयपुर और जोधपुर जैसे शहरों में उद्योग की रफ़्तार को धीमा कर देगा। उदयपुर में टूरिस्ट गाइड गजेंद्र सिंह ने कहा, संपर्क पर्यटन की रीढ़ है। अगर इसमें दिक्कत जारी रहती हैं तो असर और गहरा सकता है खासकर छोटे ऑपरेटरों के लिए जो सर्दियों के पर्यटन पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि किराए बढ़ गए हैं और सड़क परिवहन के लिए वाहन नहीं है जिससे और दिक्कतें हुई हैं। इस संकट के बावजूद अधिकारियों को उम्मीद है कि राज्य के मजबूत पर्यटन इकोसिस्टम, मजबूत बुनियादी ढांचे और ग्लोबल ब्रांडिंग की पहलों के कारण विमान उड़ानों का परिचालन सामान्य होने के बाद हालात जल्दी से सामान्य हो जाएंगे।

दूसरी ओर राज्य सरकार राजस्थान को ऐसे पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करना चाह रही है जहां सालभर पर्यटक आएं। इसके लिए नए पर्यटन गंतव्यों को विकसित करने की दिशा में काम हो रहा है।

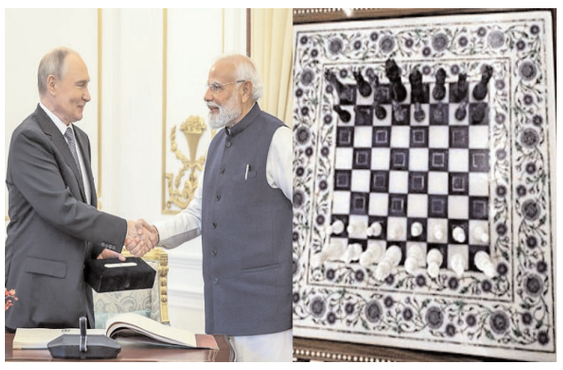

रूसी राष्ट्रपति को आगरा निर्मित शतरंज का सेट दिये जाने से कारीगर उत्साहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा (उप्र)/भाषा। भारत के दौरे पर हाल में आये रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आगरा निर्मित शतरंज (चेस) का सेट तोहफे में दिये जाने से ताज नगरी के कारीगर और शिल्पकार बेहद खुश हैं। शतरंज का यह सेट संगमरमर का बना था और उसमें खूबसूरत नक्काशी और पच्चीकारी से घिरी बिसात बनायी गयी थी।

ताज नगरी के हस्तशिल्पी अदनान शेख ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि वह प्रधानमंत्री मोदी को इस बात के लिये धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने सदियों पुरानी आगरा की हस्तकला का ध्यान रखा, आज पूरी दुनिया में आगरा में बने शतरंज सेट की चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, '' प्रधानमंत्री द्वारा रूसी राष्ट्रपति पुतिन को शिल्पकारों के हाथ से बना शतरंज का सेट देने से दुनिया में आगरा की हस्तशिल्प कला के कद्रदान बढ़ जायेंगे और संगमरमर निर्मित सेट एक बार फिर लोगों के नजरों में आयेगा। उम्मीद है कि इससे दुनिया भर में हस्तकला वाली वस्तुओं की मांग बढ़ जाएगी।'' कारोबारी आयुष गुप्ता ने बताया कि आगरा में करीब पांच हजार कारीगर और व्यापारी हस्तकला से जुड़े हैं और सालाना इसका करोड़ों रुपए का कारोबार है। रूसी राष्ट्रपति को आगरा के कारीगरों द्वारा बनाया गया शतरंज सेट भेंट किये जाने से कारीगर खासे उत्साहित हैं।

कोलकाता में विशाल गीता पाठ समारोह में लाखों लोगों ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल और पड़ोसी राज्यों से साधुओं एवं साध्वियों सहित लाखों श्रद्धालुओं ने कोलकाता के 'ब्रिगेड परेड ग्राउंड' में आयोजित भगवद गीता पाठ समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजकों ने यह जानकारी दी। आयोजकों ने बताया कि भगवा वस्त्र पहने भिक्षुओं ने कार्यक्रम स्थल पर गीता की प्रतियों से एक स्वर में श्लोक पढ़ा।

इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के पूर्व प्रमुख सुकांत मजूमदार, पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और विधायक अग्निमित्र पॉल सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। इसी के साथ स्वामी प्रदीप्तानंद महाराज तथा धीरेंद्र शास्त्री सहित प्रमुख धार्मिक हस्तियां भी समारोह में शामिल हुईं। 'पंच लाखो कोंठे गीता पाठ' (एक साथ पांच लाख गीता पाठ) नामक इस कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद द्वारा किया गया जो विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों के भिक्षुओं और आध्यात्मिक नेताओं का एक समूह है। बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं सहित उत्साही भीड़ ने शंखनाद और जयघोष के बीच भगवान कृष्ण का नाम जपते हुए जयकारे लगाए।

राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने सभा को संबोधित करते हुए भगवद् गीता का पाठ किया तथा शांति और अहिंसा की बात की।

प्रदीप्तानंद महाराज ने कहा कि लाखों की संख्या में लोगों का एकत्रित होना स्वतःस्फूर्त था और इसमें किसी राजनीतिक दल की कोई भूमिका नहीं थी।

इंग्लैंड के लिए समस्या का कारण अधिक अभ्यास करना: मैकुलम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिसबेन/एपी। एशेज शृंखला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैचों में आठ विकेट की करारी हार के बाद इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि जरूरत से ज्यादा अभ्यास करना टीम को भारी पड़ा।

इंग्लैंड के लिए एशेज की ऐतिहासिक ट्रॉफी को हासिल करने के लिए शृंखला के बचे हुए तीनों टेस्ट मैचों को जीतना जरूरी है। ऐसे में मैकुलम चाहते हैं कि उनकी टीम तरोताजा होने के लिए ऑस्ट्रेलिया के किसी 'बीच' में अच्छे रिजॉर्ट में समय बिताएं। मैकुलम ने ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटिश प्रसारकों को दिए साक्षात्कार में ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी के चुनौतीपूर्ण हालातों पर बात की। उन्होंने कहा कि पांच मैचों की शृंखला के पर्थ में खेले गये पहले टेस्ट मैच में करारी हार के बाद हमारे लिए सबसे बड़ी समस्या इस दिन-रात्रि टेस्ट से पहले बहुत अधिक अभ्यास करना था। न्यूजीलैंड के इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने गाबा में दूसरे टेस्ट के चौथे दिन आठ विकेट की शिकस्त के बाद ऑस्ट्रेलिया के '7 नेटवर्क' से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो इस टेस्ट मैच से पहले हमने काफी अधिक तैयारी की थी। हमने पांच दिन पूरी दमखम के साथ अभ्यास किया था। ऐसे में मुझे लगता है कि कभी-कभी जब आप मुकाबले (शृंखला) के बीच में होते है तो सबसे महत्वपूर्ण चीज मानसिक रूप से तरोताजा महसूस करना होता है। ''

मैकुलम ने कहा, ''मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को बस कुछ दिन की छुट्टी चाहिए। ट्रेनिंग के तरीकों को थोड़ा बदलाव करने की जरूरत है। पिछले कुछ सप्ताह काफी तनावपूर्ण रहे हैं। हम शृंखला में वापसी के लिए अपनी योजना को फिर से तैयार करना शुरू करेंगे। ''

तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होगा जहां ऑस्ट्रेलिया को एशेज ट्रॉफी बरकरार रखने के लिए केवल ड्रॉ की जरूरत होगी।

कांग्रेस ने पटेल, अंबेडकर, बोस की विरासत को समाप्त करने की कोशिश की : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कहा कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की वर्षगांठ पर लोकसभा में होने वाली चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू की ''असलियत'' सामने आ जाएगी। साथ ही, भाजपा ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के इस आरोप को लेकर उन पर निशाना साधा कि सत्तारूढ़ सरकार का मुख्य उद्देश्य देश के पहले प्रधानमंत्री को बदनाम करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिर्फ नेहरू की विरासत को जीवंत रखने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. भीम राव अंबेडकर और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं की विरासत को ''समाप्त'' करने का प्रयास किया। उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष से नेहरू-गांधी परिवार को बढ़ावा देना बंद करने को कहा।

पुरी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''जहां तक नेहरू की विरासत को खत्म करने का सवाल है, तो नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर बाहर आए तथाकथित वर्तमान गांधी परिवार के अलावा उनकी विरासत को सबसे बेहतर तरीके से कौन खत्म कर सकता है।'' उनका इशारा सोनिया गांधी और उनके बेटे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर था।

गांधी परिवार का नाम लिए बिना पात्रा ने कहा कि हाल में उनके खिलाफ नेशनल हेराल्ड पर कथित रूप से कब्जा करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नेशनल हेराल्ड की शुरुआत नेहरू ने की थी।

पात्रा ने कहा, ''यदि वे नेहरू की विरासत को कलंकित नहीं कर रहे हैं, तो फिर ऐसा करने की कोशिश कौन कर रहा है?'' उन्होंने कहा, ''जब कल संसद में वंदे मातरम् पर चर्चा होगी, तो मुझे लगता है कि नेहरू जी की असलियत सभी के सामने आ जाएगी; वह फिर से बेनकाब हो जाएंगे।''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर सोमवार को लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे। इसमें राष्ट्र गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात पहलुओं के सामने आने की संभावना है।

गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे।

लोकसभा में 'राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' सोमवार के लिए सूचीबद्ध है और इस पर बहस के लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है।

बाबर के नाम पर बनी हर मस्जिद का विरोध होगा : उपमुख्यमंत्री मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झांसी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को चेतावनी दी कि मुगल बादशाह बाबर के नाम पर किए गए किसी भी निर्माण का कड़ा विरोध किया जाएगा।

मौर्य की यह प्रतिक्रिया तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद की आधारशिला रखे जाने के बाद आई है। उन्होंने कहा कि मस्जिद बनाने का कोई विरोध नहीं है मगर बाबर के नाम पर कोई मस्जिद बनाएगा तो उसका विरोध होगा।

प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा। यहां एक समीक्षा बैठक में शामिल होने आए मौर्य ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा, बिहार में हुई करारी हार के बाद सपा प्रमुख का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है और वह मुंगेरीलाल जैसे सपने देखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें कुछ सीट मिल गई थी, लेकिन अब आने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं रहेगी। मौर्य ने कहा, समाजवादी पार्टी का भविष्य तो अभी से अंधकारमय दिखाई दे रहा है क्योंकि बिहार चुनाव परिणाम आने के बाद 'लाल टोपी' और जालीदार टोपियां उत्तर प्रदेश से गायब हो गई हैं और अब सपा का तो सूर्यास्त होने वाला है। उन्होंने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित एक समीक्षा बैठक में भाग लिया।

बंगाल धार्मिक अहंकार को खत्म करने के लिए तैयार : सीवी आनंद बोस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने रविवार को जोर देकर कहा कि राज्य 'धार्मिक अहंकार को खत्म करने के लिए तैयार है।'

राज्यपाल ने मुर्शिदाबाद में एक दिन पहले बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने की घटना की ओर इशारा किया।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को मुर्शिदाबाद के रेजिनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद की आधारशिला रखी।

बोस ने यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में गीता पाठ को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य भ्रष्टाचार को भी खत्म करने के लिए तैयार है। उन्होंने विभिन्न धार्मिक ग्रंथों का पाठ करते हुए कहा, पश्चिम बंगाल धार्मिक अहंकार को समाप्त करने के लिए तैयार है।

राज्यपाल ने बिना किसी व्यक्ति और किसी कार्यक्रम का नाम लिए कहा कि उन्होंने शनिवार को मुर्शिदाबाद में कुछ घटित होते देखा। राज्यपाल ने भगवद्गीता का पाठ करते हुए कहा, परित्राणाय साधुनाम विनाशाय च दुष्कृताम, धर्म-संस्थापनार्थाय संभवामि युगे युगे, जिसका अर्थ है 'धर्मात्माओं की रक्षा, दुष्टों का विनाश और धर्म के सिद्धांतों की पुनर्स्थापना के लिए मैं युग-युग में इस पृथ्वी पर अवतरित होता हूं।

पांच लाख लोगों द्वारा गीता पाठ के कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद द्वारा किया गया, जो विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों से आए भिक्षुओं व आध्यात्मिक गुरुओं का एक समूह है।

झारखंड के जमशेदपुर में 'जीवाणु संक्रमण' से 10 काले हिरणों की मौत

रांची/भाषा। झारखंड के जमशेदपुर स्थित एक चिड़ियाघर में जीवाणु संक्रमण के कारण कम से कम 10 काले हिरणों की मौत हो गई है। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी। टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क (टीएसजेडपी) में हिरणों की मौत एक दिसंबर से छह दिसंबर के बीच हुईं। आखिरी हिरण की मौत शनिवार को हुई थी।

टीएसजेडपी के उप निदेशक डॉ. नईम अख्तर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''उद्यान में अब तक दस काले हिरणों की मौत हो चुकी है। हिरण के शव को जांच और मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय भेजा गया है। ऐसा लगता है कि यह जीवाणु संक्रमण के कारण हुआ है।'' रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय की पशु चिकित्सा पैथोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रज्ञा लकड़ा ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। उन्होंने कहा, ''संदेह है कि यह एच.एस. (रक्तस्रावी सेप्टिसीमिया) है, जो पास्चरेला प्रजाति के बैक्टीरिया से होने वाला एक जीवाणुजनित रोग है। इस रोग को पास्चरेलोसिस भी कहा जाता है।''

एयरलाइन क्षेत्र में 'एकाधिकार' बना रहने तक हवाई किराये की सीमा लागू रहनी चाहिए : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के मद्देनजर सरकार द्वारा हवाई किराए की सीमा तय किए जाने के बीच कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि नागर विमानन मंत्रालय आखिरकार जाग गया है, और उन्होंने मांग की कि एयरलाइन क्षेत्र में एकाधिकार बना रहने तक इस तरह की मूल्य नियंत्रण व्यवस्था लागू रहनी चाहिए।

'इंडिगो' के परिचालन में व्यवधान के कारण पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों उड़ानें रद्द और विलंबित हुईं, जिससे देश भर में हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मुझे खुशी है कि नागर विमानन मंत्रालय आखिरकार जाग गया है और उसने इकोनॉमी क्लास के किराये की सीमा तय कर दी है।'' उन्होंने कहा कि एयरलाइन क्षेत्र में एकाधिकार बना रहने तक, इकोनॉमी क्लास में किराया सीमा लागू रहनी चाहिए।

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा, ''कड़ी प्रतिस्पर्धा के अभाव में, जनहित की रक्षा का एकमात्र उपाय कीमतों पर नियंत्रण है।''

इससे पहले, उन्होंने कहा था कि इंडिगो के परिचालन में व्यवधान और देश भर के हवाई अड्डों पर ''अराजक माहौल'' इंडिगो प्रबंधन, नागर विमानन मंत्रालय, डीजीसीए और पूरी सरकार की भारी विफलता को दर्शाती है।

यह उल्लेख करते हुए कि पायलट ड्यूटी समय से जुड़े नये नियम जनवरी 2024 में अधिसूचित किए गए थे, चिदंबरम ने कहा, ''फिर भी पिछले 23 महीनों में, सरकार एयरलाइन को उसके संचालन को नए नियमों के अनुरूप ढालने में विफल रही। नागर विमानन मंत्रालय और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) पूरी तरह से इसके

रोहित से मजाकिया बातचीत के बाद कुलदीप ने कहा, 'डीआरएस लेने में गलत रहता हूं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के मामले में उनका आकलन सही नहीं होता है। उन्होंने यह बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले गए तीसरे वनडे के दौरान सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा के साथ डीआरएस को लेकर मजाकिया बातचीत के संदर्भ में कही जिसकी काफी चर्चा हो रही थी।

पहली स्लिप में क्षेत्ररक्षण करते हुए रोहित ने कुलदीप को अपील करने और कप्तान केएल राहुल पर डीआरएस लेने का दबाव बनाने से रोकने के लिए कम से कम तीन बार हस्तक्षेप किया और इस दौरान वह मुस्कुरा रहे थे। कुलदीप ने बीसीसीआई के वीडियो में कहा, ''साफ जाहिर है कि डीआरएस लेने के मामले में मेरा आकलन सही नहीं रहता। मुझे लगता है कि एक डीआरएस मेरे लिए आरक्षित रहता है।'' उन्होंने कहा, ''एक गेंदबाज होने के कारण आपको हमेशा यह लगता है कि यह आपका विकेट है, यह आउट है। लेकिन रोहित भाई, केएल भाई, वे विकेट के पीछे खड़े होते हैं इसलिए उन्हें बेहतर अंदाजा होता है कि गेंद स्टंप्स को छोड़कर जा रही है या नहीं। गेंद की ऊंचाई और प्रभाव के बारे में उन्हें बेहतर जानकारी होती है।'' कुलदीप ने कहा, ''लेकिन मैं हमेशा यही सोचता हूं कि बल्लेबाज आउट हो गया है।''

कुलदीप ने इस मैच में चार विकेट लिए, जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 270 रन पर आउट करने के बाद आसानी से लक्ष्य हासिल कर दिया था। उन्होंने कहा, ''केवल दो डीआरएस होते हैं, इसलिए आपको सही मार्गदर्शन के लिए ऐसे लोगों की जरूरत होती है, अन्यथा आप डीआरएस को बर्बाद कर सकते हैं। इसलिए मुझे यह बताने के लिए उन्हें भी श्रेय देना चाहिए कि डीआरएस का बुद्धिमानी से उपयोग किया जाए और हम यह नहीं सोचें कि हमने उन्हें बर्बाद कर दिया है।''

कुलदीप ने कहा, ''रोहित भाई हमेशा वहां मौजूद रहते हैं। वह मुझसे पूछते हैं कि मैं इस लाइन के बारे में क्या सोचता हूं। जहां तक गेंद की ऊंचाई का सवाल है तो मैं उसका अंदाजा लगा सकता हूं लेकिन गेंद की लाइन और उसके प्रभाव को लेकर फैसला बड़ा महत्वपूर्ण होता है।''

तेजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति को हटाने की मांग पर अड़े प्रदर्शनकारी, बंद का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेजपुर (असम)/भाषा। तेजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति शंभू नाथ सिंह पर अनियमितताओं के आरोपों को लेकर 15 सितंबर से जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच रविवार को प्रदर्शनकारियों ने बंद का आह्वान किया और कहा कि जब तक कुलपति की बर्खास्तगी के बारे में केंद्र सरकार की ओर से औपचारिक सूचना प्राप्त नहीं हो जाती, तब तक बंद जारी रहेगा।

असम के सोनितपुर जिले में ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी किनारे पर स्थित विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार दोपहर से लेकर रविवार सुबह तक उस वक्त भारी तनाव दिखा, जब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के सचिव विनीत जोशी की अगुवाई में एक शीर्ष प्रतिनिधिमंडल मध्य रात्रि के समय परिसर से बाहर नहीं जा सका और प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को तीन घंटे से अधिक समय तक अपनी गाड़ियों में बैठे रहना पड़ा। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल में शामिल शिक्षा विभाग की संयुक्त सचिव सौम्या गुप्ता को एक खाली कागज पर लिखित आश्वासन देना पड़ा, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल को परिसर से जाने की अनुमति दी गई। 'पीटीआई-भाषा' को हासिल हुए हस्तलिखित आश्वासन में कहा गया है कि कुलपति कठोर और समयबद्ध जांच पूरी होने तक केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशासक नहीं रहेंगे। 'तेजपुर विश्वविद्यालय यूनाइटेड फोरम' (टीयूयूएफ) के तहत एकत्र हुए छात्र, शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी 15 सितंबर से कुलपति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

तेजपुर विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन नए असम का संकेत : गौरव गोगोई

तेजपुर/भाषा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने रविवार को तेजपुर विश्वविद्यालय में छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन की सराहना करते हुए इसे नए असम का संकेत बताया। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता और राज्य में पार्टी प्रमुख गोगोई ने अशांति से निपटने के तरीके को लेकर सरकार की आलोचना की। यह अशांति गायक जुबिन गर्ग की मौत के बाद सितंबर के मध्य में शुरू हुई थी।

गोगोई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, तेजपुर विश्वविद्यालय के मामले को सुलझाने में सरकार के रवैये को देखकर निराशा होती है। साथ ही मुझे तेजपुर विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के व्यवहार पर गर्व है। वे दृढ़, अडिग और गरिमामय हैं। तेजपुर विश्वविद्यालय में स्थिति मध्य सितंबर से ही तनावपूर्ण थी। छात्रों ने कुलपति शंभू नाथ सिंह और विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाया था कि उन्होंने गर्ग के प्रति उचित सम्मान नहीं दिखाया, जबकि राज्य उनकी मृत्यु पर शोक मना रहा था। तेजपुर विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारियों ने रविवार को संकल्प लिया कि वे 29 नवंबर से शुरू हुए पूर्ण बंद को तब तक जारी रखेंगे, जब तक कुलपति को हटाने के संबंध में केंद्र से औपचारिक सूचना नहीं मिल जाती।

मैं आंदोलन के नहीं, बातचीत के पक्ष में हूं : हिमंत विश्व शर्मा

उधारबोंड/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को तेजपुर विश्वविद्यालय में जारी आंदोलन की निंदा करते हुए कहा कि वह किसी भी प्रकार के आंदोलन के पक्ष में नहीं हैं लेकिन सभी प्रकार की चर्चा का समर्थन करते हैं।

विश्वविद्यालय में माहौल मध्य सितंबर से तनावपूर्ण बना हुआ है। छात्रों का आरोप है कि कुलपति शंभु नाथ सिंह और प्रशासन ने गायक जुबीन गर्ग के प्रति सम्मान नहीं दिखाया, जबकि राज्य उनके निधन पर शोक मना रहा था।

शर्मा ने यहां एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, जहां आंदोलन होगा, मैं वहां नहीं रहूंगा। जहां चर्चा होगी, मैं वहां रहूंगा।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने 29 नवंबर से परिसर में पूर्ण बंद लागू कर रखा है, जिसके चलते प्रशासन को सभी परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं।

कुलपति सिंह को शनिवार को केंद्रीय टीम के दौरे के बाद हटाए जाने के सवाल पर शर्मा ने कहा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा था कि उन्होंने स्थिति को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से बात की है और लंबित निष्पक्ष जांच के दौरान तत्काल एक प्रति-कुलपति नियुक्त करने का अनुरोध किया है।

सिमरनप्रीत ने स्वर्ण पदक जीता, विश्व कप फाइनल पदार्पण में ऐश्वर्य तोमर को रजत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दोहा/भाषा। युवा सिमरनप्रीत कौर बरार ने रविवार को यहां मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करके महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन चैंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अपने पदार्पण में रजत पदक अपने नाम किया।

ऐश्वर्य ने इस तरह इस खेल में सभी संभावित विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप में पदकों का सेट पूरा कर लिया। इस साल की शुरुआत में लीमा में विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली सिमरनप्रीत के पिता ने अपनी बेटी के लिए सरकारी नौकरी छोड़ दी थी। इस निशानेबाज ने फाइनल में 41 का शानदार स्कोर बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और अपने माता-पिता को फक्र महसूस कराया। उन्होंने साथ ही विश्व जूनियर रिकॉर्ड की बराबरी भी की। आठ निशानेबाजों के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी भारतीय ईशा सिंह सातवें स्थान पर रहीं। ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर क्वालिफिकेशन दौर में 581 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। क्वालिफिकेशन दौर में 21 साल की सिमरनप्रीत ने 585 के स्कोर से पांचवें स्थान से जबकि ईशा ने 585 के स्कोर से चौथे स्थान से फाइनल में जगह बनाई। सिमरनप्रीत ने धीमी शुरुआत की जिसमें वह पहले पांच शॉट की सीरीज में तीन निशाने चूक गईं और आठवें (अंतिम) स्थान पर खिसक गईं। उसके बाद उन्होंने वापसी की और तीन परफेक्ट '5' के शॉट लगाकर चीन की शीर्ष निशानेबाज और मौजूदा 10 मीटर एयर पिस्टल विश्व चैंपियन याओ कियानक्सुन (36 अंक से रजत) और जर्मनी की पूर्व विश्व चैंपियन डोरेन वेनेकैंप (कांस्य पदक) को पीछे छोड़ दिया। भारतीय खिलाड़ी ऐश्वर्य चेकिया के जिरी प्रिव्रात्स्की से 0.9 अंक पीछे रहे। जिरी ने आईएसएसएफ के 40 शॉट के नए प्रारूप में खेले गए फाइनल में 414.2 का स्कोर किया।

सुविचार

कोई भी इंसान अपने विश्वास से बनता है, वह जैसा विश्वास करता है, उसी के अनुसार बन जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पश्चिम बंगाल में ध्रुवीकरण का दांव

तृणमूल कांग्रेस (तृणकां) से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर में बाबरी मस्जिद के मॉडल पर आधारित मस्जिद का शिलान्यास किए जाने की घटना से राज्य में धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। सोशल मीडिया के जमाने में ऐसी घटनाओं का असर किसी खास इलाके तक सीमित नहीं रहेगा। बंगाल रामकृष्ण परमहंस, विवेकानंद, महर्षि अरविंद, सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर जैसे महापुरुषों की भूमि है। यहां ऐसे दार्शनिक, क्रांतिकारी और सुधारक पैदा हुए, जिन्होंने देश को एकजुट किया था। अब प. बंगाल में कुछ राजनेता क्या कर रहे हैं? वे क्या संदेश देना चाहते हैं? भारत सद्भाव और शांति का देश है। यहां हर धर्म के प्रार्थना स्थल हैं। उनका पूरा सम्मान है। लोग मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारे में जाते हैं। इस पर किसी को आपत्ति नहीं है। हर नागरिक को अपनी आस्था के अनुसार धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है। समस्या तब पैदा होती है, जब कोई व्यक्ति आस्था के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश करता है। हुमायूं कबीर मस्जिद बनाना चाहते हैं, जरूर बनाएं। क्या वे नहीं जानते कि बाबरी की तर्ज पर मस्जिद बनाने और 6 दिसंबर को माहौल गरमाते हुए उसकी नींव रखने से लोगों पर क्या असर होगा? बाबरी मस्जिद-श्रीराम जन्मभूमि मामले में निचली अदालत से लेकर उच्चतम न्यायालय तक खूब बहसें हुई थीं, एक-एक सबूत को चुनौती दी गई थी। अनगिनत दलीलों की जांच-परख करने के बाद फैसला श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में आया था। उसमें गलती की कहीं गुंजाइश ही नहीं रही। समस्त देशवासियों को खुले दिल से वह फैसला मानना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।

यह भी ताज्जुब की बात है कि कुछ लोग एक विदेशी आक्रांता का इतना महिमा-मंडन कर रहे हैं! बाबर ने हमारे पूर्वजों का लहू बहाया था, लोगों के घर उजाड़े थे। उसने हमारे आराध्य भगवान श्रीराम का मंदिर तोड़ा था। मुगल काल में एक नहीं, हजारों मंदिरों को निशाना बनाया गया था। बाबर और उसके वंशजों की क्रूरता के निशान आज भी मौजूद हैं। बेहतर तो यह होता कि आज़ादी के बाद बाबर के कुकृत्यों की एक स्वर में कड़ी निंदा की जाती और पूरा देश श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बनाता। अदालतों के चक्कर लगाने की नौबत ही नहीं आनी चाहिए थी। उससे पूरी दुनिया हमारी एकता देखती। श्रीराम जन्मभूमि की वास्तविकता को स्वीकार करने की जगह कुछ लोग अभी भी अवैज्ञानिक एवं आधारहीन बातें कर रहे हैं। उन्होंने उच्चतम न्यायालय का फैसला नहीं पढ़ा, लेकिन कुतर्क देते हैं, जिद करते हैं। हुमायूं कबीर जैसे नेता उनमें अपना वोटबैंक देखते हैं। प. बंगाल के इन विधायक को दो दिन पहले कितने लोग जानते थे? अब ये सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इनके कहने पर हजारों लोग ईंट, सीमेंट, निर्माण सामग्री लेकर आ गए; नोटों का ढेर लगा दिया। प. बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। अगर हुमायूं कबीर धार्मिक ध्रुवीकरण का दांव खेलते हुए अपनी पार्टी बनाते हैं तो तृणकां के वोटबैंक में सेंध लग सकते हैं। हालांकि इस घटना को सिर्फ चुनावी राजनीति के नजरिए से नहीं देखना चाहिए। जब सोशल मीडिया पर तीखी बयानबाजी के वीडियो वायरल होंगे तो सामुदायिक सद्भाव और शांति को नुकसान होगा। जवाब में, अन्य संगठन / नेतागण बयान देंगे, जिससे माहौल में और तनाव बढ़ेगा। इससे क्या हासिल होगा? शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा, आवास, स्वच्छता, परिवहन समेत दर्जनों मुद्दे दब जाएंगे। बस, एक ही मुद्दा हावी रहेगा। ऐसे माहौल में कौन फायदा उठाएगा? क्या इससे जनता का भला होगा? इतिहास उठाकर देख लें, सांप्रदायिक ताकतें देश और समाज को नुकसान ही पहुंचाती हैं। इनके उकसावे से सावधान रहें। भारत की एकता किसी भी राजनेता की कुर्सी से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है।

ट्वीटर टॉक

सशस्त्र सेना झंडा दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के साथ सेना कल्याण कोष में योगदान के लिए प्रेरित करता है। शहीद सैनिकों के परिवारों और शारीरिक रूप से अक्षम सैनिकों के कल्याण के लिए हम अपना सहयोग दें।

-अर्जुनराम मेघवाल

भारत के ख़ास दोस्त रूस के राष्ट्रीय कलाकार निकास सफ़रोनोव की एकल प्रदर्शनी ड्रीम विज़न इंडिया 2025 में लगी पेंटिंग्स देखकर मंत्रमुग्ध हो गया। उनमें भारत की संस्कृति को सजीवता से उकेरा गया है जिसमें कलाकार की संवेदना का पुट मिलता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

गोवा के अरपोरा में हुए भीषण आग हादसे में कई व्यक्तियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से मृतकों की आत्मा को शांति एवं परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं। ॐ शांति।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

लगन से कामयाबी

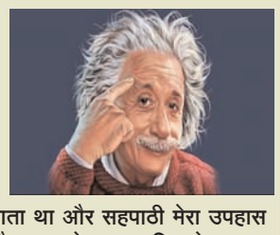

एक बार एक युवक ने आइंस्टीन से कहा, 'लोग आपको महान कहते हैं और आपकी पूरी दुनिया में प्रसिद्धि है। कृपा कर बताइए, महान बनने का मंत्र क्या है?' आइंस्टीन ने संक्षेप में कहा, 'लगन।' युवक ने पूछा, 'कैसे?' आइंस्टीन मुस्कुराए और बोले, 'गणित से मुझे बहुत भय लगता था। मैं अक्सर इस विषय में अनुत्तीर्ण हो जाता था और सहपाठी मेरा उपहास करते थे। एक दिन मैंने आत्ममंथन किया और लगन के साथ गणित के सवाल हल करने शुरू किए। धीरे-धीरे सभी सवाल सरल होने लगे और मेरा डर दूर हो गया। लगन का ही परिणाम है कि मेरे सिद्धांत आज भी दुनिया में उपयोग हो रहे हैं, और विज्ञान के क्षेत्र में मैंने सफलता प्राप्त की। इसलिए, लगन ही महानता का सबसे बड़ा मंत्र है।' यह सुनकर वह युवक आइंस्टीन का आभार व्यक्त कर वहां से चला गया।

सामयिक

बंगाल की मुस्लिम राजनीति पर हुमायूं कबीर का प्रहार

"टीएमसी ने मस्जिद-निर्माण को लेकर फैले तेज राजनीतिक संकेतों को भाँपते हुए कबीर को 4 दिसंबर को ही निलंबित कर दिया, ताकि उसके ऊपर लगने वाले तुष्टिकरण के आरोपों को कम किया जा सके। पार्टी का तर्क है कि मस्जिद बनाना किसी व्यक्ति या समूह का अधिकार है, लेकिन बाबरी से जुड़ा नामकरण और तारीख का चयन ऐसी अनावश्यक उत्तेजना है जो बंगाल की दशकों पुरानी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक धारा को मुश्किल टीएमसी को यह भी भली-भाँति पता है कि भाजपा इस प्रतीकात्मक राजनीति का उपयोग एक व्यापक नैरेटिव बनाने में करेगी कि राज्य सरकार का रवैया वर्षों से इस तरह के कदमों को प्रोत्साहन देता रहा है।

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 6 दिसंबर को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमांयू कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद की आधारशिला रखी। यह सिर्फ एक धार्मिक ढांचे का निर्माण नहीं, बल्कि कई स्तरों पर पहचान, भावनाओं और सत्ता-राजनीति के प्रतीकों को एक साथ सक्रिय करने वाला क्षण है। जिस तारीख को बाबरी विध्वंस हुआ था, उस दिन यह कार्यक्रम आयोजित करना और बाहरी धर्मगुरुओं तथा हजारों की भीड़ को जुटाना इसे महज स्थानीय आयोजन के दायरे से बाहर ले जाता है। यह एक खुला राजनीतिक संकेत है कि बंगाल का अल्पसंख्यक परिदृश्य अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है जहाँ धार्मिक पहचान और राजनीतिक महत्वाकांक्षा एक-दूसरे का पूरक बनकर उभर रही हैं।

टीएमसी ने मस्जिद-निर्माण को लेकर फैले तेज राजनीतिक संकेतों को भाँपते हुए कबीर को 4 दिसंबर को ही निलंबित कर दिया, ताकि उसके ऊपर लगने वाले तुष्टिकरण के आरोपों को कम किया जा सके। पार्टी का तर्क है कि मस्जिद बनाना किसी व्यक्ति या समूह का अधिकार है, लेकिन बाबरी से जुड़ा नामकरण और तारीख का चयन ऐसी अनावश्यक उत्तेजना है जो बंगाल की दशकों पुरानी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक धारा को मुश्किल में डाल देता है।

टीएमसी को यह भी भली-भाँति पता है कि भाजपा इस प्रतीकात्मक राजनीति का उपयोग एक व्यापक नैरेटिव बनाने में करेगी कि राज्य सरकार का रवैया वर्षों से इस तरह के कदमों को प्रोत्साहन देता रहा है। निलंबन इसलिए पार्टी की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया थी, ताकि वह आधिकारिक रूप से खुद को इस पूरे आयोजन से अलग दिखा सके और यह संदेश दे कि यह उसका एजेंडा नहीं है। लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है, क्योंकि यही कार्रवाई मुस्लिम समाज के भीतर एक संदेह भी पैदा कर सकती है कि पार्टी अब उन मुद्दों से दूरी बनाने लगी है जिन्हें एक बड़ा वर्ग सम्मान और हक़ के सवाल से जोड़कर देखता है।

हुमायूं कबीर जिस तरह इस मस्जिद को मुसलमानों की इज़्ज़त की लड़ाई बता रहे हैं, वह इस पूरे घटनाक्रम को धार्मिक पहचान से सीधे जोड़ देता है। उनका यह दावा कि 25 बीघा जमीन पर मस्जिद के साथ अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, होटल और हेलिपैड भी बनेगा, इसे एक विशाल सामुदायिक-राजनीतिक परियोजना का रूप देता है। 22 दिसंबर को नया दल बनाने और लगभग 130-135 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की उनकी घोषणा यह साफ़ करती है कि यह केवल धार्मिक आस्था या भावनाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि एक नया, अलग मुस्लिम वोट-बैंक खड़ा करने की महत्वाकांक्षा है। यह बंगाल के राजनीतिक मानचित्र में मुस्लिम राजनीति के भीतर एक नए प्रतिस्पर्धी मॉडल का उदय है, जो पहली बार इतनी स्पष्टता से सामने आया है।

मसलन, बंगाल में लंबे समय से मुस्लिम वोट काफी हद तक एकजुट होकर टीएमसी को मिलता रहा है, जिससे पार्टी को एक मज़बूत चुनावी आधार हासिल था। लेकिन कबीर का यह कदम इस एकजुटता को चुनौती दे सकता है। मुस्लिम वोट का आंशिक कटाव भी उन जिलों में निर्णायक प्रभाव डाल सकता है, जहाँ सीटें बेहद कम अंतर से तय होती हैं मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर व दक्षिण 24 परगना जैसे जिले इसके केंद्र बन सकते हैं। इस प्रकार यह घटना मुस्लिम समाज के भीतर एक आंतरिक ध्रुवीकरण को जन्म देती है: एक ओर वे जो पहचान के सवाल को प्राथमिक मानते हैं और दूसरी ओर वे जो मानते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर इसका नकारात्मक असर मुसलमानों को और अधिक असुरक्षित बनाता है। कांग्रेस और कई स्थानीय मुस्लिम नेताओं ने इसी आशंका का इज़हार किया है कि मस्जिद को बाबरी के प्रतीक से जोड़ना एक बड़ा राजनीतिक-धार्मिक उबाल पैदा करेगा, जिसके परिणाम व्यापक होंगे और जिनका बोझ छोटे इलाकों के आम मुसलमानों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना पड़ेगा।

भाजपा इस समय को एक अवसर के रूप में देख रही है। उसके लिए यह एक राजनीतिक स्वर्ण-क्षण है जहाँ वह मुस्लिम पहचान-आधारित लामबंदी को टीएमसी के दीर्घकालीन तुष्टिकरण के परिणाम के रूप में पेश कर सकती है। भाजपा का संदेश बहुत सीधा और चुनावी दृष्टि से प्रभावी है कि यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई, बल्कि राज्य सरकार के वर्षों तक की गई नीतियों और रुख ने ऐसे अवसरों को जन्म दिया है। भले ही टीएमसी ने अब कबीर को बाहर का रास्ता दिखा दिया हो, लेकिन भाजपा जिस तरह इस पूरे प्रकरण को टीएमसी की राजनीतिक विरासत से जोड़ रही है, वह चुनावी मानस को लगातार प्रभावित करेगा।

इस परिदृश्य का सबसे संवेदनशील पहलू कानून-व्यवस्था है। हाई कोर्ट ने कार्यक्रम को रोकने से इंकार करते हुए राज्य सरकार को पूरी जिम्मेदारी सौंपी। इसका सीधा अर्थ है कि आने वाले महीनों में इस स्थल से जुड़ा कोई भी तनाव चाहे प्रशासनिक चूक हो या सामाजिक तनाव सीधे सरकार की जवाबदेही का प्रश्न बनेगा। चुनावी समय में यह सबसे जोखिम भरा क्षेत्र है, क्योंकि किसी भी छोटे विवाद को राजनीतिक विमर्श में बड़े संकट के रूप में पेश किया जा सकता है।

इन समग्र परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट है कि यह घटना महज़ एक धार्मिक ढांचे की नींव रखने की नहीं है। यह बंगाल के 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए एक ट्रिगर इवेंट बन चुकी है, जिसने एक साथ तीन प्रमुख प्रवृत्तियों को उजागर कर दिया है: मुस्लिम राजनीति का संभावित विखंडन, ममता बनर्जी के लिए दोतरफ़ा दबाव जहाँ उन्हें भाजपा के आरोपों को निष्प्रभावी रखना है और साथ ही मुस्लिम वोट को भी अपने से दूर नहीं जाने देना है और भाजपा के लिए ध्रुवीकरण आधारित एक नए शक्तिशाली राजनीतिक नैरेटिव का उभार। इन तीनों का सम्मिलित प्रभाव यह सुनिश्चित करता है कि आने वाले महीनों में बंगाल की राजनीति सिर्फ विकास, योजनाओं या प्रशासनिक बहसों तक सीमित नहीं रहेगी। पहचान और भावनात्मक इतिहास से जुड़े सवाल इस चुनाव का केंद्र बनने जा रहे हैं। यह घटना, भले ही प्रतीकात्मक दिखती हो, लेकिन इसके राजनीतिक परिणाम बेहद ठोस और दूरगामी होंगे।

नजरिया

भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया।

बदलती दुनिया में भारत-रूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल, सुखोई विमान, एस-400 सिस्टम और नई तकनीकों पर साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि दोनों देशों का सुरक्षा बंधन साझा रणनीतिक विश्वास का परिणाम है। पहलगाम और मॉस्को हमलों के संदर्भ में आतंकवाद विरोधी एकजुटता की घोषणा यह सिद्ध करती है कि भारत और रूस नए खतरों की प्रकृति को समझते हैं और समाधान तलाशने में भी एकमत हैं। इन सभी आयामों का संकलन बताता है कि भारत-रूस संबंध न तो बीते युग की स्मृति हैं, न ही समीपस्थ हितों की आकस्मिक आवश्यकता। यह रिश्ते का वह मॉडल है, जो विश्वास, समय, भू-राजनीति, तकनीकी क्षमता और साझा दृष्टि के संयोग से निर्मित हुआ है। यह केवल दो राष्ट्रों का गठजोड़ नहीं, दो सभ्यताओं का मार्गदर्शन है। ध्रुव तारे की उपमा इसीलिए सार्थक है क्योंकि ध्रुव तारा केवल चमकता नहीं, दिशा भी देता है। भारत और रूस का संबंध भी दिशा-निर्देशक है, नई विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने वाला, वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को पहचान देने वाला और शक्ति-संतुलन को न्यायपूर्ण बनाने वाला।

2030 का रोडमैप इस संबंध को केवल नई मंजिल की ओर नहीं ले जाता बल्कि दुनिया को संकेत देता है कि भारत अब उस युग में प्रवेश कर रहा है, जहां वह ध्रुवों की संरचना में योगदान देने वाली शक्ति है। रूस इस यात्रा में सहायक नहीं बल्कि सहयात्री है। यही कारण है कि यह रिश्ता आज पहले से अधिक प्रासंगिक है और आने वाले वर्षों में विश्व राजनीति की धुरी बदलने में यह संबंध एक निर्णायक भूमिका निभाएगा। यह भविष्य के निर्माण का ऐसा दस्तावेज है, जो स्पष्ट करता है कि भारत और रूस किसी तात्कालिक परिस्थिति के सहायक नहीं, बहुध्रुवीय, संतुलित और स्थिर विश्व-व्यवस्था के निर्माता हैं। यही वह पथ है, जो आने वाले समय में वैश्विक राजनीति के मानचित्र को परिवर्तित करेगा और यही वह कारण है कि भारत-रूस संबंध न केवल समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए दिशा-निर्देशक ध्रुव तारा बन चुके हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

विवाह

प्रयागराज में रविवार को सामूहिक विवाह समारोह के दौरान दुल्हनें।

मंधाना और पलाश ने रिश्ता खत्म करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को घोषणा की कि उनकी शादी रद्द कर दी गई है तथा उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से अटकलों पर विराम लगाने का आग्रह किया, जबकि संगीतकार पलाश मुछाल ने पुष्टि की कि उन्होंने रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया है। मुछाल ने अपमानजनक अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। भारत की सबसे प्रमुख महिला क्रिकेटरों में से एक मंधाना ने पिछले महीने अपनी निजी जिंदगी को लेकर अफवाहें तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया। मंधाना ने लिखा, मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा करने का अनुरोध करती हूं। मंधाना की 23 नवंबर को मुछाल से शादी होने वाली थी, लेकिन इस स्टार क्रिकेटर के पिता श्रीनिवास को दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था जिसके कारण शादी स्थगित कर दी गई थी।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा, पिछले कुछ सप्ताह से मेरी निजी जिंदगी को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर अपनी बात रखना महत्वपूर्ण है। खुद को एक बेहद निजी इंसान करार देते हुए मंधाना ने कहा कि चीजों को स्पष्ट

करने की जरूरत के कारण उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रशंसकों और जनता से अनुरोध किया कि वे दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और उन्हें इससे निपटने और आगे बढ़ने के लिए जगह दें।

भारत के आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी कर रही मंधाना ने कहा कि उनका ध्यान पूरी तरह से क्रिकेट पर है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हम सभी का (जीवन में) एक बड़ा उद्देश्य होता है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैं यथासंभव लंबे समय तक भारत के लिए खेलती रहूंगी और ट्राफियां जीतती रहूंगी। मंधाना की पोस्ट के तुरंत बाद पलाश मुछाल ने भी बयान जारी किया, जिसमें पुष्टि की गई कि उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा को आधारहीन करार देते हुए इस पर दुख भी व्यक्त किया। मुछाल ने कहा, मैंने अपने जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि जो चीज मेरे लिए सबसे पवित्र है उसको लेकर लोग निराधार अफवाहों पर इतनी सहजता से प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

उन्होंने लिखा, यह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वास पर कायम रहते हुए इसका सामना करूंगा। मुछाल ने लोगों से आग्रह किया कि वे असत्यापित दावों को बढ़ावा देने से पहले विचार करें। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में उम्मीद कर रहा हूं कि एक समाज के तौर पर हम बिना पुष्टि की गई बिना किसी स्रोत वाली अफवाहों के आधार पर किसी के बारे में राय बनाने से पहले रुकना सीखेंगे। हमारे शब्द हमें ऐसे ज़ख्म दे सकते हैं जिन्हें हम कभी समझ ही नहीं पाएंगे। मुछाल ने यह भी कहा कि उनकी टीम अपमानजनक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा, मेरी टीम झूठी और अपमानजनक सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी।

मुछाल ने इस दौरान उनका समर्थन करने वाले लोगों का भी आभार व्यक्त किया।

दिल्ली में एआई ग्राइंड चैलेंज की शुरुआत

नयी दिल्ली। अंतरिक्ष यात्री एवं भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देने का आग्रह किया है। दिल्ली सरकार के एआई ग्राइंड चैलेंज की शुरुआत के अवसर पर रविवार को शुक्ला ने छात्रों से यह अपील की। उन्होंने छात्रों के साथ अंतरिक्ष में अपने अनुभव साझा किए और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) की भूमिका पर प्रकाश डाला। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुक्ला ने छात्रों से कहा, आप भविष्य हैं। मैं आपसे कार्य करने का आह्वान करता हूं। आपको 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए काम करना होगा।

इस साल की शुरुआत में, शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दौरा करने वाले पहले भारतीय बने। अठारह दिनों के मिशन के बाद वह 17 अगस्त को अमेरिका से भारत लौटे।

कोहली और वाशिंगटन ने विशाखापत्तनम के सिंहाचलम मंदिर में पूजा-अर्चना की

विशाखापत्तनम/दक्षिण भारत । भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, उनके परिवार के सदस्यों और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने रविवार को यहां श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। भारतीय टीम ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। मंदिर के अधिकारियों ने कोहली और उनके परिवार का स्वागत किया और उन्हें दर्शन के लिए ले गए। दर्शन करने से पहले उन्होंने पारंपरिक कप्पस्थम्भम अलिंगनम (पवित्र स्तंभ को गले लगाना) अनुष्ठान में भाग लिया। अधिकारी ने पीटीआई को बताया, कोहली अपने परिवार के सदस्यों और भारतीय टीम के अपने कुछ साथियों के साथ मंदिर में दर्शन करने के लिए आए थे। उन्होंने बताया कि दर्शन के बाद पुजारियों ने नादस्वरम की ध्वनि के साथ वेद आशीर्वाद का पाठ किया। पुजारियों ने खिलाड़ियों को मंदिर का पवित्र वस्त्र दिया और देवस्थानम की ओर से उन्हें भगवान का चित्र और प्रसाद भेंट किया।

शोले

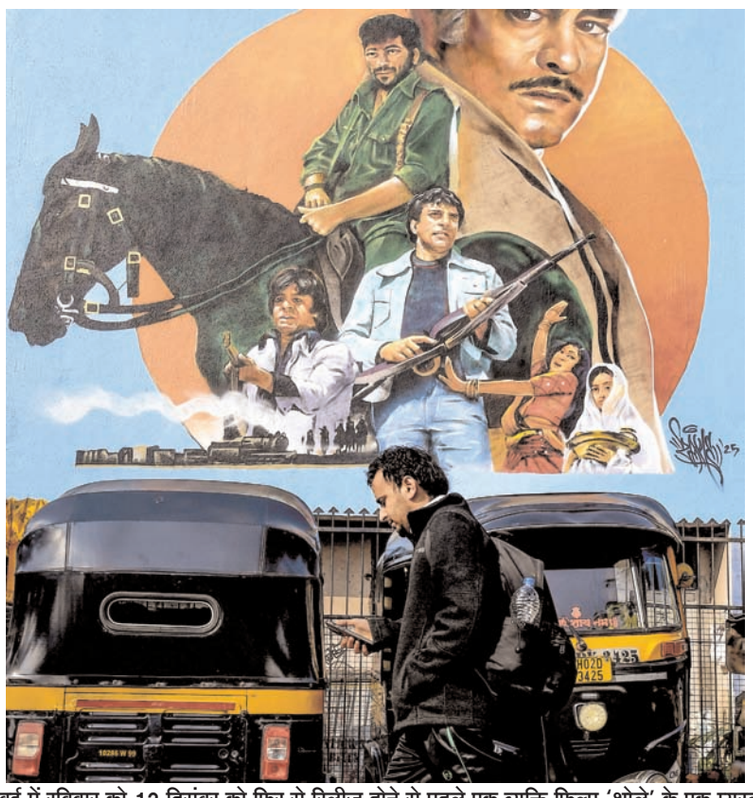

मुंबई में रविवार को 12 दिसंबर को फिर से रिलीज़ होने से पहले एक व्यक्ति फिल्म 'शोले' के एक म्यूरल के पास से गुज़रता हुआ।

ओटीटी अवॉर्ड में छा गई 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान ने बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपनी मेहनत के बलबूते पर हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है। अब उनकी विरासत को उनके बड़े बेटे आर्यन खान आगे ले जा रहे हैं और उनकी पहली ही ऑरिजनल सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को एक नहीं, बल्कि चार अवॉर्ड मिले हैं। गौरी खान ने अपने अवॉर्ड की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है।

गौरी खान ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है और अपने बेटे की सक्सेस को फैंस के साथ शेयर किया है। पोस्ट के मुताबिक, नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को चार अवॉर्ड मिले हैं। आर्यन खान को सीरीज के लिए बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया का बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला है, जबकि राघव जुयाल को ब्रेकथ्रू परफॉर्मर ऑफ द ईयर (मेल), अन्या सिंह को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (फीमेल), और रजत बेदी को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (मेल) का अवॉर्ड मिला है।

आर्यन खान की द बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज से पहले ही विवादों में आ गई थी। पूर्व एनसीबी अधिकारी समीर वानखेडे ने सीरीज के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दर्ज किया था। समीर वानखेड़े का आरोप था कि सीरीज के जरिए उनकी छवि को खराब करने का काम किया जा रहा है और सीरीज में उनका किरदार गलत तरीके से चित्रित किया गया है।

उन्होंने शाहरुख खान और उनकी कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट पर 2 करोड़ की मानहानि का दावा ठोका था, लेकिन कोर्ट के फैसले से पहले ही मेकर्स ने सीरीज से समीर वानखेडे के विवादित सीन को हटा दिया था।

ये सीरीज बॉलीवुड के अंदर की बातों को दिखाती है, जिसमें नेपोटिज्म, ड्रग्स, ब्लैक मनी और अंडरवर्ल्ड के कनेक्शन को व्यंग के साथ पर्दे पर दिखाया गया है। कुल मिलाकर सीरीज बॉलीवुड के काले-कारनामों को उजागर करती है। सीरीज को रिलीज के साथ ही सफलता मिली और सीरीज ने नेटफ्लिक्स के टॉप 10 सीरीज में अपना दबदबा कायम किया। बता दें कि सीरीज 18 सितंबर 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज की गई थी। आर्यन खान सीरीज बनाने के अलावा, वे खुद का लग्जरी ब्रांड डी'यावोल भी चलाते हैं। डी'यावोल के लग्जरी परफ्यूम और हुडी का कलेक्शन सबसे ज्यादा बिकता है। 24 घंटों के अंदर ही प्रोडक्ट आउट ऑफ स्टॉक हो जाता है।

दर्शकों ने लुटाया अनुपम खेर पर प्यार, मंच से अभिनेता की एक्टिंग ने किया मोहित

मुंबई/एजेन्सी

चार दशकों से लगातार अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीतने वाले अभिनेता अनुपम खेर आज भी हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं। एक्टर का जलवा सिर्फ हिंदी सिनेमा में ही नहीं, अब थिएटर में भी चल रहा है। थिएटर से ही अपनी कला को निखारने वाले अनुपम खेर को दोबारा स्टेज पर देखकर दर्शक बहुत खुश हैं और खड़े होकर तालियां बजा रहे हैं। इतना सम्मान पाकर अभिनेता खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर अपने जीवन पर आधारित नाटक 'कुछ भी हो सकता है' को अलग-अलग थिएटर में परफॉर्म कर रहे हैं। अब उन्होंने बेंगलुरु में अपना शो किया, जहां अभिनेता की एक्टिंग देखकर फैंस ने खड़े होकर तालियां बजाई। अभिनेता ने इन पलों को अपने कैमरे में कैद कर लिया है। अपने इंस्टाग्राम पर शो की झलकियां शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, लगातार बजती तालियां, कल रात मेरे नाटक कुछ भी हो सकता है में दर्शकों की क्या ही शानदार उपस्थिति थी। जीवंत, गर्मजोशी से भरे और उदारता से परिपूर्ण दर्शकों का दिल से धन्यवाद। मैं उन सभी अद्भुत लोगों का भी दिल से शुक्रिया कहना चाहता हूं, जिन्होंने नाटक में पूरी भागीदारी निभाई।

वीडियो में साफ दिख रहा है कि अनुपम खेर को मंच पर देखकर दर्शक बहुत खुश हैं और उनकी एक्टिंग को खूब सराह रहे हैं। इससे पहले अनुपम खेर ने एक और वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें वे इसी शो से पहले नर्वस दिखे थे। उन्होंने वीडियो में कहा था, मैं अपना शो 'कुछ भी हो सकता है' करने जा रहा हूं। घबराहट, टेंशन और नर्वसनेस पूरी तरह से हावी है, लेकिन शो तो करना पड़ेगा क्योंकि लोगों ने टिकटें खरीद रखीं हैं। इसलिए मुझे ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद भेजिए, जिससे मैं शो को अच्छे तरीके से कर पाऊं। बता दें कि अनुपम खेर फिल्मों में सक्रिय होने के साथ अब मंच पर भी अपनी अदाकारी दिखा रहे हैं। अभिनेता खुद का एक्टिंग स्कूल एक्टर प्रिपेयर्स भी चलाते हैं, जहां वे नए कलाकारों को एक्टिंग के गुण सिखाते हैं। अभिनेत्री सेलीना जेटली ने भी अनुपम खेर के स्कूल एक्टर प्रिपेयर्स से ही एक्टिंग सीखी थी और दो महीने के कोर्स के दौरान उन्हें पहली फिल्म मिली थी।

यूट्यूब पर छाया 'परफेक्ट फेमिली' का क्रेज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के शानदार अभिनेता पंकज त्रिपाठी, जिन्हें 'मिर्जापुर' में कालीन भैया के दमदार अभिनय के लिए खूब सराहना मिली, अब निर्माता के रूप में भी अपनी नई पहचान बना रहे हैं। हाल ही में उनकी कॉमेडी-ड्रामा वेब सीरीज 'परफेक्ट फेमिली' सीधे यूट्यूब पर रिलीज की गई, जिसने देखते-ही-देखते दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है। रिपोर्ट के अनुसार 'परफेक्ट फेमिली' 27 नवंबर को यूट्यूब पर स्ट्रीम हुई थी और कुछ ही दिनों में इसे 20 लाख से अधिक व्यूज मिल गए। दर्शकों ने न केवल कहानी और किरदारों को सराहा, बल्कि समीक्षकों ने भी इसकी जमकर तारीफ की है। खास बात यह है कि यह भारत की पहली लंबी अवधि वाली वेब सीरीज मानी जा रही है।

सीरीज की सफलता पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा, दर्शकों ने 'परफेक्ट फेमिली' को जिस प्यार और उत्साह से अपनाया है, उससे मैं बेहद खुश हूं। इस शो को प्रस्तुत करने का मेरा फैसला टीम की मेहनत, उनकी कहानी कहने की शैली और एक ईमानदार, हास्यपूर्ण तथा जिंदगी की छोटी-छोटी बातों से जुड़ी दुनिया को दर्शाने की प्रतिबद्धता के कारण लिया था। बता दें कि 'परफेक्ट फैमिली' के पहले दो एपिसोड यूट्यूब पर मुफ्त उपलब्ध हैं, जबकि बाकी एपिसोड देखने के लिए दर्शकों को 59 रुपये का भुगतान करना होगा।

'तू मेरी मैं तेरा' का गाना 'हम दोनों' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म के हाई-एनर्जी पार्टी एंथम के बाद अब सारेगामा, धर्मा प्रोडक्शंस और नमाह पिक्चर्स के साथ मिलकर दर्शकों को एक दिल छू लेने वाला, चुलबुला और रोमांटिक ट्रैक 'हम दोनों' तोहफे में दे रहा है। पार्टी के शोर-शराबे से दूर, यह गाना रे और रूमी की मासूम, शरारती और सोलफुल केमिस्ट्री को खूबसूरती से दिखाता है।

ये गाना दो दिलों के करीब आने की कहानी को इतने प्यारे तरीके से पेश करता है कि ये हर मॉडर्न लेकिन दिल से ओल्ड स्कूल आशिक की प्लेलिस्ट में शामिल होने वाला है। इस गाने को अपनी जादुई आवाज़ दी है शेखर, विशाल ददलानी और श्रुति पाठक ने, जबकि इसका संगीत तैयार किया है सुपरहिट जोड़ी विशाल और शेखर ने। प्यार में डूबी इन लाइनों को लिखा है अन्विता दत्त ने और स्क्रीन पर इस खूबसूरत केमिस्ट्री को सजाया है डांस गुरु रेमो डिसूज़ा ने अपनी कोरियोग्राफी से। विशाल और शेखर का कहना है कि टाइटल ट्रैक की जबरदस्त एनर्जी के बाद वे 'हम दोनों' को एक गर्मजोशी भरा एहसास देना चाहते थे, जैसे किसी का प्यारा सा आलिंगन। उनके मुताबिक यह गाना मीठा, चंचल और दिल से रोमांटिक है, जो रे और रूमी के रिश्ते की भावनाओं को खूबसूरती से दर्शाता है।

कार्तिक आर्यन ने भी इस गाने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि 'हम दोनों' के साथ रे और रूमी की कहानी और भी खूबसूरती से आगे बढ़ती है। यह ऐसा गाना है जिसे आप अपने पार्टनर को समर्पित करना चाहेंगे और इसके धुनों में एक अलग ही जादू है, जो नए प्यार की मासूमियत को बखूबी पकड़ता है। वहीं अनन्या पांडे का कहना है कि 'हम दोनों' एकदम सुकून और खुशी से भरा गाना है।

यह हल्का, मजेदार और बिल्कुल वैसा ही फील देता है जैसा प्यार में पड़ते वक्त होता है। इस पर शूट करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। 'हम दोनों' अब सभी बड़े म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज़ हो चुका है और इसका वीडियो सारेगामा के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। धर्मा प्रोडक्शंस और नमाह पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म इस क्रिसमस, 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

शेखर कपूर, सुनाया 'गुरु की खोज' का किस्सा

नई दिल्ली/एजेन्सी

फिल्म निर्माता-निर्देशक शेखर कपूर सोशल मीडिया पर अक्सर अपने काम से जुड़े पोस्ट शेयर करते रहते हैं। इसके अलावा, वे अपने विचार और जिंदगी से जुड़े नए-नए किस्से भी सुनाते नजर आते हैं। इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट कर उन्होंने बताया कि गुरु की खोज में एक बार वह पहाड़ पर तीन दिनों तक बैठे रह गए थे।

उन्होंने पहाड़ पर गुरु को ढूंढने की एक गहरी आध्यात्मिक कहानी सुनाई। शेखर कपूर बताते हैं कि वे तीन दिन तक एक गुफा के बाहर बैठे रहे। सालों की थकान लिए, पहाड़ चढ़कर आए थे, लेकिन सामने बैठे गुरु ने पलटकर भी नहीं देखा। सिर्फ सांसों की आवाज और हवाओं में घुली प्रार्थना सुनाई दे रही थी। आखिरकार हिम्मत जुटाकर शेखर ने कहा, गुरुजी, मैंने पूरी जिंदगी आपको ढूंढा है। मैंने जीया है, प्यार किया है, धोखा दिया और धोखा खाया है। गौरव भी देखा, निराशा भी झेली, पर अब समझ आया कि सब कुछ सिर्फ एक सांस था, आपको पाने का एक कदम था।

उन्होंने आगे लिखा, खामोशी टूटी और एक रहस्यमयी आवाज आई, 'तुम यहां हो? सच में?' फिर गुरु ने समझाया कि कोई अतीत नहीं, कोई भविष्य नहीं, कोई वर्तमान भी नहीं, सिर्फ शुद्ध, कालातीत अस्तित्व है। हम अपनी जिंदगी की कहानी खुद गढ़ते हैं ताकि समय का अहसास कर सकें। जब यह भ्रम टूटेगा, तभी हमें अपनी सच्ची मौजूदगी का पता चलेगा। अंत में शेखर ने विनम्रता के साथ अपने गुरु से कहा, गुरुजी, एक बार अपना चेहरा तो दिखाइए। जवाब मिला, क्या अपनी कहानी में और समय जोड़ना चाहते हो? फिर जब गुरु मुड़े, तो मुझे मेरा ही चेहरा दिखा।

इससे पहले किए एक अन्य पोस्ट में शेखर कपूर सवाल करते नजर आए। उन्होंने दादी-नानी के समय से चली आ रही दही चीनी की पुरानी परंपरा का जिक्र करते हुए सवाल किया कि आखिर ह्यूमन इंटेलिजेंस कहां है?

'मिसेज' के लिए सान्या बनीं बेस्ट एक्ट्रेस

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट और इंडिया एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स का आयोजन हुआ था। इस इवेंट में ओटीटी और फिल्म जगत के कुछ बड़े नामों को सम्मानित किया गया। इस दौरान अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने फिल्म 'मिसेज' में बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब जीता। इसकी खुशी जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा, गुरुवार की रात आपकी लड़की ने 'मिसेज' का खिताब जीत लिया। मैं आप सभी के प्यार की बहुत-बहुत आभारी हूं, जिसने हमारी फिल्मों पर प्यार बरसाया। फिल्म 'मिसेज' को इस तरह से अपनाने के लिए आप सभी का तहे दिल से धन्यवाद। सान्या की इस पोस्ट पर फैंस और सेलेब्रिटीज

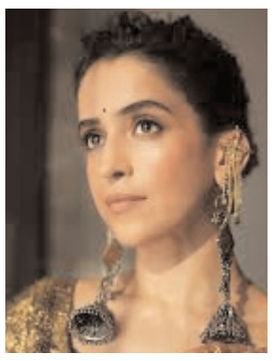

की बधाइयों की बौछार हो रही है। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री सान्या, जिन्होंने आमिर खान की फिल्म दंगल से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2025 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'मिसेज' ने दर्शकों में गहरी छाप छोड़ी थी। इसने मनोरंजन करने के साथ-साथ एक गहरा संदेश भी दिया था। फिल्म की कहानी शादी करके ससुराल पहुंची महिला के रोजमर्रा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है।

फिल्म में दिखाया गया है कि ऋचा नाम की एक महिला अपने परिवार के साथ-साथ सपनों को भी पूरा करना चाहती है, लेकिन ससुराल में बने नियम-कानूनों के कारण वह सिर्फ घर के कामों में फंस जाती है। फिल्म के आखिर में वह इन बंधनों को तोड़कर अपने सपनों को पूरा करके जीवन की शुरुआत करती है। यह कहानी मलयालम फिल्म 'द ग्रेट इंडियन किचन' का हिंदी रीमेक है। फिल्म का निर्देशन आरती कड़व ने किया था और हरमन बवेजा, अनु सिंह चौधरी और खुद आरती ने इसका लेखन भी किया था। फिल्म में सान्या के अलावा, अवी ठकराल और निशांत दहिया मुख्य भूमिका में थे।

एसपीआर सिटी: ओकट्री कैपिटल ने मार्केट ऑफ़ इंडिया में 750 करोड़ रुपए का निवेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई/दक्षिण भारत। एसपीआर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को ओकट्री कैपिटल मैनेजमेंट द्वारा मैनेज किए जाने वाले फंड्स से 750 करोड़ रुपए का निवेश मिला है। यह निवेश एसपीआर सिटी, जो चेन्नई की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड टाउनशिप है, के लिए बड़ा मुकाम है। यह प्रोजेक्ट के मज़बूत फंडामेंटल्स में ग्लोबल निवेशकों के भरोसे को और मज़बूत करता है।

इस फंड से एसपीआर के खास डेवलपमेंट द मार्केट ऑफ़ इंडिया और द मॉल ऑफ़ मद्रास को पूरा करने में तेज़ी आएगी। यह निवेश लगभग 3.5 मिलियन वर्ग फीट वाणिज्यिक संपत्तियों के लिए मूल्य सृजन करने की संभावना रखता है।

यह मुख्य रूप से मॉल ऑफ़ मद्रास और मार्केट ऑफ़ इंडिया को कवर करता है, जिनमें कई खूबियां होंगी। मॉल ऑफ़ मद्रास 6-स्क्रीन सिनेमा और 300 से ज़्यादा ब्रांडेड स्टोर के साथ आ रहा है। मार्केट ऑफ़ इंडिया में 3000 से ज़्यादा यूनिट्स हैं जो जेम्स एंड ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिल्डिंग मटीरियल, टेक्सटाइल और एक्सेसरीज़, इम्पोर्टेड आइटम, पैक्ड फूड और कई तरह के सामान जैसी कैटेगरी में सर्विस देती हैं।

यह निवेश अगले 8 से 12 महीनों में अनलॉक होने वाली एसेट वैल्यू का बहुत छोटा हिस्सा है। इस फंडिंग से प्रोजेक्ट पर मौजूदा एल्टिको कैपिटल का पूरा कर्ज़ भी चुकाया जा सकेगा। कुल मिलाकर, ये दोनों एसेट्स मिलकर दक्षिण एशिया (सार्क देशों) में सबसे बड़ा मल्टी-कमोडिटी ट्रेड और शॉपिंग डेस्टिनेशन बनाएंगे।

एसपीआर सिटी चेन्नई की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड टाउनशिप है

यह प्रोजेक्ट के मज़बूत फंडामेंटल्स में ग्लोबल निवेशकों के भरोसे को और मज़बूत करता है

पुरस्कार — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कार्यक्रम में बिल्डर को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए संस्थापक एवं चेयरमैन एस. राजगोपाल, अध्यक्ष आर. सरवणन और अन्य पदाधिकारी।

मंदिर निर्माण हेतु शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर में राजेन्द्र सूरी जैन ट्रस्ट द्वारा शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय के निर्माण हेतु आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम के निमित पंच दिवसीय महोत्सव अंतिम दिवस पर गुरुवर्या मणिप्रभाश्रीजी की शिष्या साध्वीश्री क्षमाशीलाश्रीजी की निश्रा में शिलान्यास, शिलाओं के लाभार्थी परिवारों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति में उत्साह उमंग से मनाया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष बाबूलाल सेठ, उपाध्यक्ष अमीचंद वोरा, सचिव महावीर गाँधीमुथा, कोषाध्यक्ष किरण तिलेसरा, सहकोषाध्यक्ष नरेश हुंडिया कार्यसमिति सदस्य जीतमल ओबानी, संजय भंडारी एवं निर्माण समिति से कांतिलाल कोठारी के साथ कोयंबतूर के विभिन्न जैन संघों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जाप प्रभु भक्ति एवं विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। गुरु राजेंद्र जैन युवक मंडल एवं श्री राजेंद्रसूरी जैन भक्ति मंडल ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी किशोर जैन ने दी।

दक्षिणी रेलवे ने 15 साल बाद भारोत्तोलन चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 72वीं पुरुष और 11वीं महिला अखिल भारतीय रेलवे भारोत्तोलन चैम्पियनशिप 2025-26 का आयोजन 3 से 6 दिसंबर तक विशाखापत्तनम, वाल्टेयर डिवीजन, ईस्ट कोस्ट रेलवे में किया गया। यह चैंपियनशिप ईस्ट कोस्ट रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित की गई थी। टीम के प्रशिक्षकों आर. चंद्रशेखरन, विशेष कार्य अधिकारी/मदुरै; के. जगदीशन, कार्यालय अधीक्षक, पेरम्बूर जनरल स्टोर्स डिपो; और टी. मुथु, मुख्य टिकट निरीक्षक, चेन्नई/एमएमसी; के कुशल मार्गदर्शन में, दक्षिण रेलवे की पुरुष भारोत्तोलन टीम ने 200 अंक हासिल किए, जबकि उपविजेता मध्य रेलवे ने एक कड़े मुकाबले में 198 अंक बनाए। राष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत, कौशल और निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए, पुरुष टीम ने 3 स्वर्ण, एक रजत और 3 कांस्य पदक जीते।

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को पैरिस स्थित जनरल अस्पताल का दौरा चेन्नई के मेयर प्रिया राजन ने किया। इस मौके पर उनका स्वागत किया गया। जैन समाज के सामाजिक कार्यकर्ता अशोक पिपाड़ा इस मौके पर उपस्थित थे।

तुलसी अष्टकम एवं आचार्य तुलसी स्केच प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां आचार्य श्री तुलसी 100वां दीक्षा दिवस वर्ष की परिसंपनता के उपलक्ष में तुलसी स्केच प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें प्रथम स्थान पर रही डिंपल बागरेचा और तुलसी अष्टकम प्रतियोगिता भी रखी जिसमें प्रथम स्थान सोना चोपड़ा को मिला। इस प्रतियोगिता को रोचक तरीके से प्रस्तुत करने में सहभागी लता कोठारी रही। उक्त जानकारी तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष दीपिका फुलफगर ने दी।

मन पर नियंत्रण जरूरी है : साध्वी भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां साध्वी भव्यगुणाजी ने कहा कि जीवन में साधना तभी सार्थक होगी जब मन पर हमारा नियंत्रण होगा। मन की चंचलता ही कई बार साधना को भंग करने का कारण बन जाती है। चंचल मन पर नियंत्रण किए बिना हम जीवन का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते हैं। मन हमें भटकाने का प्रयास करता है। हमें धर्म आराधना के बल पर मन को नियंत्रित रखना होगा। जीवन का एक छोर जन्म तो दूसरा छोर मृत्यु है।

जिस दिन हम, मृत्यु क्या है यह समझ गए, उस दिन साधना सार्थक हो जाएगी। सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलकर साधना करेंगे तो जीवन सार्थक होगा। महापुरुष कभी मृत्यु से घबराते नहीं बल्कि उसे गले लगाने को तत्पर रहते हैं। जो मृत्यु से नहीं घबराता अपने कर्म करते हैं वह जीवन में सफल होते हैं।ङ्कसाध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि कर्म जब उदय में आते हैं तब पता चलता है कि हमने वह गलती की थी जिसके फल अब भोगने पड़ रहे हैं। ऐसे में गलत कर्म करने से हमेशा डरना चाहिए। कर्म उदय में आने पर कोई हमारी रक्षा नहीं कर पाएगा। श्री राज भव्य शीतल चैरिटेबल ट्रस्ट मंडल ने सेवा का लाभ लिया।

सामूहिक सामायिक का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहूकारपेट में बेसिन वाटर स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में 7 दिसम्बर को श्री जैन रत्न युवक परिषद् तमिलनाडु के तत्वावधान में सामूहिक सामायिक का आयोजन साध्वी सुमतिप्रभा के सानिध्य में रखा गया।

साध्वी वर्षाश्री ने प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि संसार में व्यक्ति पुदगल रुपी टुकड़ों के पीछे की दौड़ में शांति को खो रहा हैं और अशांत रहता हैं। चिन्तन करना चाहिए कि हमारे कारण हमारे व्यवहार व वचनों के कारण कितनों दिलों के टुकड़े हो रहे हैं। हम शांति प्राप्त करने के लिए शांतिनाथ प्रभु की प्रार्थना, शांति जाप तो करते हैं पर हम वास्तविक शांति तब ही प्राप्त कर सकेंगे,जब हम सभी को शांति देंगे। साध्वी उतराध्ययन सूत्र के दसवें अध्ययन की गाथा का वर्णन करते हुए कहा कि प्रभु महावीर फरमाते हैं कि साधक हर गांव नगर में विचरण करते हुए शान्ति के मार्ग में आगे बढ़े। शान्ति बाहर में नहीं स्वयं के अन्दर ही हैं। जो भीतर गया वो भी तर गया,अर्थात जो स्वयं के भीतर चिन्तन करते हैं, वे आत्मा के स्वरुप को जान कर तर जाते हैं। जहाँ अहिंसा हैं, सत्य हैं, आत्मीयता भाव हैं सद्भाव हैं समभाव हैं प्रमोद भाव हैं गुणानुवाद भाव हैं, वहां शान्ति हैं। गुस्से,तनाव,डर, चिंता, घबराहट, नकारत्मकता जलन आदि पर नियंत्रण करने के सप्त सूत्र बताये।

प्रवचन सभा का संचालन युवक परिषद् तमिलनाडु के मन्त्री आर मनोज कवाड ने किया। संघ के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने साध्वी वृन्द के चरणों में पोह कृष्ण दशमी पार्श्वनाथ जन्म व दीक्षा कल्याणक दिवस को स्वाध्याय भवन में तप त्याग पूर्वक मनाने की विनती रखी। जैन संकल्प कांतिलाल तातेड़ व सुखसाता पृच्छा गौतमचन्द मुणोत ने की। साध्वी सुमतिप्रभा ने मांगलिक सुनाई।

एम्बुलेंस सेवा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के एक प्रमुख मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, एमजीएम हेल्थकेयर ने अपनी अत्याधुनिक मोबाइल ईसीएमओ यूनिट का अनावरण किया है, जो एक उन्नत आपातकालीन सेवा है जो गंभीर हृदय या श्वसन विफलता वाले रोगियों के लिए आईसीयू-स्तर के हृदय और फेफड़ों के लिए जीवन समर्थन और त्वरित ऑन-साइट स्थिरीकरण प्रदान करती है, जिससे जीवन रक्षक देखभाल शुरू करने में देरी कम होने से जीवित रहने की संभावना में उल्लेखनीय सुधार होता है। शुभारंभ के मौके पर एसीपी पीके रवि, विधानसभा सदस्य एमके मोहन, अलर्ट फाउन्डेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. राजेश, डॉ. केआर बालाकृष्णन, निदेशक, हृदय एवं फेफड़े प्रत्यारोपण; डॉ. सुरेश राव, सह-निदेशक, हृदय एवं फेफड़े प्रत्यारोपण संस्थान; और डॉ. सेनाथी नंद किशोर, नैदानिक निदेशक, वरिष्ठ सलाहकार और नैदानिक प्रमुख, एनेस्थिसियोलॉजी और सर्जिकल आईसीयू, एमजीएम हेल्थकेयर उपस्थित थे।

रोहित और कोहली के साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा : बांगड़

विशाखापत्तनम/दक्षिण भारत। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए और वनडे टीम में उनकी जगह को लेकर कभी भी बहस नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस सीनियर जोड़ी के 2027 विश्व कप तक फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने को लेकर भले ही संशय में हो सकते हैं, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने पिछले छह वनडे मैचों में तीन शतक (कोहली के दो) और पांच अर्धशतक (रोहित के तीन) लगाकर बतला दिया है कि उनका कोई सानी नहीं है। बांगड़ ने जिओस्टार से कहा, मुझे नहीं लगता कि टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर गौर करना चाहिए।

कोहली और रोहित अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। भारत पिछले कुछ समय से इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेल रहा है और बांगड़ का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए ज़ाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है लेकिन वे ऐसा कई बार कर चुके हैं। उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की ज़रूरत नहीं है। बांगड़ ने कहा, एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं और पूरी तरह फिट तथा रन बनाने के लिए भूखे हैं तो आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं। आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना नैसर्गिक खेल खेलने की छूट देनी होगी। उन्होंने कहा, 'जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनकी उपस्थिति मात्र से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है।

इंडिगो उड़ान संकट: सोनू सूद ने यात्रियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और गुस्से पर काबू रखने की अपील की

नयी दिल्ली। अभिनेता सोनू सूद ने इंडिगो के परिचालन संकट के बीच यात्रियों से 'जिम्मेदार नागरिक' बनने और अपने गुस्से पर काबू रखने का आग्रह किया। इंडिगो उड़ान संकट के कारण कई यात्री घंटों तक हवाई अड्डों पर बिना किसी संबंधित पुष्टि के फंसे रहे। नवंबर से प्रभावी नए, सख्त पायलट ड्यूटी और आराम के घंटों से संबंधित नियमों का सही तरीके से पालन नहीं कर पाने के कारण विमानन कंपनी को परिचालन संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस लापरवाही के कारण पायलटों की भारी कमी हुई, जिसके वजह से बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या उड़ान सेवा में विलंब हुआ। अभिनेता सोनू सूद ने 'एक्स' पर एक वीडियो साझा कर कहा, मेरा अपना परिवार यात्रा कर रहा था और उन्हें चार से साढ़े चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा। कई विमान उड़ान नहीं भर सकें, कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और कई लोग शादियों में शामिल नहीं हो पाए।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

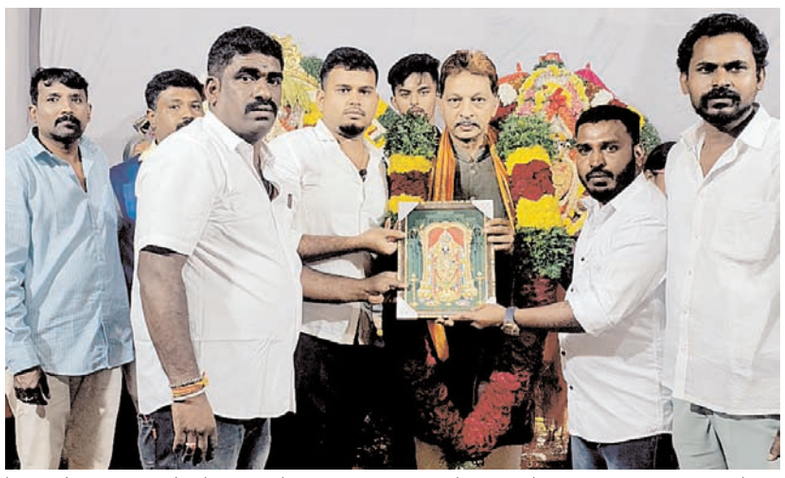

बेंगलूरु के अवळहल्ली क्षेत्र के नागरिकों द्वारा माता अण्णम्मा देवी एवं बंडे महाकाली उत्सव का आयोजन शनिवार को किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। मुख्यअतिथि गौसेवक महेन्द्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और अन्नदान किया। समिति के लिंगराज और अन्य सदस्यों ने मुणोत का सम्मान किया।

बीबीए की ओर से बिल्डर दिवस व वर्षगांठ कार्यक्रम संपन्न

वेलूर। काटपाडी के राउंड थाना स्थित एक निजी सभा भवन में रविवार को अखिल भारतीय बिल्डर्स एसोसिएशन (बीबीए) द्वारा बिल्डर दिवस एवं वर्षगांठ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वीआईटी विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष शंकर विश्वनाथन ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के संस्थापक व चेयरमैन एस. राजगोपाल तथा अध्यक्ष आर. सरवणन ने संगठन की वार्षिक आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करते हुए वर्षभर में किए गए सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन समाजिक उत्तरदायित्वों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागी बनी हुई है। कार्यक्रम में सचिव सुबरमणि, संयोजक तिरुमलई सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले बिल्डर्स को सम्मानित भी किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.